हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 83, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 20 सितम्बर, 2023 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका मां यशोदा की तरह : मुख्यमंत्री योगी

1,359 आंगनवाड़ी केंद्रों और 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का लोकार्पण व शिलान्यास

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भूमिका मां यशोदा की तरह है क्योंकि उन्हें मां यशोदा की तरह बच्चों का पालन-पोषण करना होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अंतर्गत 1,359 आंगनवाड़ी केंद्रों और 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों के लोकार्पण व शिलान्यास और आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाओं को यूनिफॉर्म हेतु धनराशि अंतरण के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कुपोषित से सुपोषित श्रेणी में आने वाले बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित किया और डीबीटी के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकताओं के खाते में 29 करोड़ की राशि हस्तांतरित की। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि यह पोषण माह की छठवीं वर्षगांठ है। कुपोषण का परिणाम ठीक नहीं होता है। 1977 से लेकर 2017 तक प्रदेश में 50 हजार से अधिक बच्चों की मौत इंसेफलाइटिस से हुई थी। इसमें 2018 से कमी हुई। इसी तरह आपसी समन्वय से कुपोषण को भी समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा मिशन मोड पर आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। सांसद और विधायक निधि और सीएसआर फंड से भी आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा सकता है। आंगनबाड़ी कार्यकताओं पर बच्चों को सुपोषित के साथ शिक्षित भी बनाने की जिम्मेदारी है। कुपोषण किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि समाज की लड़ाई है। सभी को मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।

अपार्टमेंट में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, थाइलैंड और नेपाल की युवतियां पकड़ी गई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पॉश इलाके में एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस की छापेमारी में विदेशी लड़कियां और पुरुष मिले हैं। सभी को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। शहर के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में प्रसिद्ध मेदांता अस्पताल के पास अलखनंदा इन्क्लेव में विदेशी महिलाओं का सेक्स रैकेट चल रहा था। आज सुबह पड़ोसियों ने शक होने के आधार पर शिकायत की जिस पर पुलिस ने छापेमारी कर रैकेट का भंडाफोड़ किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फ्लैट में रहने वाली थाईलैंड और नेपाल की युवतियां यहां पर स्पा सेंटर की सर्विस देने के नाम पर सेक्स रैकेट चलाती हैं। यहां पर देर रात तक लोगों का आना जाना लगा रहता है। कई बार नशेबाजी को लेकर विवाद की भी स्थित बन जाती है। जिसको लेकर थाना पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने छापेमारी कर विदेशी युवतियां (दिखने में) को पकड़ा।

जी-20 शिखर सम्मेलन : प्रधानमंत्री मोदी का मुरीद हुआ व्हाइट हाउस, कहा- बाइडन सकारात्मक कर रहे महसूस

वाशिंगटन। इस साल भारत की अध्यक्षता में हुआ जी-20 शिखर सम्मेलन काफी सफल रहा। दुनियाभर में जी-20 की सफलता की प्रशंसा हो रही है। व्हाइट हाउस सम्मेलन के बाद से ही भारत और पीएम मोदी की तारीफों के पुल बांध रहा है। एक बार फिर अमेरिका ने जी-20 की अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन दिल्ली में नेताओं के शिखर सम्मेलन से बहुत सकारात्मक और आशावादी महसूस कर रहे हैं। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संपर्क समन्वयक जॉन किर्बी ने एक सवाल के जवाब में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बाइडन जी-20 से आने के बाद से ही बेहद सकारात्मक और आशावादी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब है कि जी-20 में जरूरी मुद्दों पर सफल बात हुई। इसलिए हम सभी जी-20 की सफल अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत के आभारी हैं। किर्बी ने नौ और 10 सितंबर को दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि यह दो दिन बहुत ही सार्थक रहे। दरअसल, जॉन किर्बी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें उच्च स्तरीय सत्र के लिए अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ-साथ विदेश नीति के अन्य मुद्दों पर सोमवार को न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। बाइडन आज संयुक्त राष्ट्र महासभा के हॉल में 193 सदस्यीय महासभा के नेताओं को संबोधित करेंगे। किर्बी ने आगे कहा कि उच्च स्तरीय सप्ताह के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बाइडन के एजेंडे पर कोई द्विपक्षीय चर्चा नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मौजूदगी से वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं से ध्यान हटाने के बारे में पूछे गए एक अन्य सवाल के जवाब में किर्बी ने कहा कि बाइडन वैश्विक दक्षिण के बारे में बात करेंगे।

'परिवार के साथ ही राष्ट्र जीवन में भी महिलाओं की अहमियत दिख रही, ये हमारे लिए गर्व की बात' : पीएम मोदी

नई दिल्ली। नए संसद भवन में राज्यसभा में अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'नया संसद भवन मात्र एक नई इमारत नहीं है बल्कि यह एक नई शुरूआत का प्रतीक भी है। अमृतकाल की शुरूआत में ही इस भवन का निर्माण और यहां हम सबका प्रवेश अपने आप में देश के 140 करोड़ नागरिकों की आशा, आकांक्षाओं में नई ऊर्जा और नया विश्वास पैदा करेगा।'

नया संसद भवन ऐतिहासिक फैसले का साक्षी बन रहा– प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हमारे संविधान में राज्यसभा को उच्च सदन बताया गया है। हमारे संविधान निमार्ता चाहते थे कि यह सदन राजनीति से ऊपर उठकर गंभीर और वैचारिक चर्चा का केंद्र बने। आज नया संसद भवन देश के लिए एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक फैसले का साक्षी बन रहा है। अभी लोकसभा में एक विधेयक पेश किया गया, जो चर्चा के बाद यहां भी आएगा। यह नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। जब हम जीवन की गुणवत्ता की बात करते हैं तो उसकी पहली हकदार हमारी महिलाएं होती हैं। अनेक नए-नए क्षेत्र हैं, जिनमें महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं है। इससे समाज में बेटियों का सम्मान बढ़ा है। वित्त समेत विभिन्न क्षेत्रों में भी भारत की महिलाओं का सामर्थ्य नजर आ रहा है।

अखिलेश यादव बोले, उम्मीद है नयी संसद नयी लोकतांत्रिक चेतना के लिए प्रकाश स्तंभ बनेगी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश की नयी संसद भवन के लिए भी देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संसद की नयी इमारत नयी लोकतांत्रिक चेतना के लिए प्रकाश स्तंभ बनेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि नये संसद भवन के लिए सभी देशवासियों और सभी वर्तमान व भूतपूर्व सांसदों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! आशा है देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा को ये नया विस्तारित परिसर नया राजनीतिक-वैचारिक विस्तार भी देगा और सांसदों के लिए ये नयापन सिर्फ.भवन का नहीं मनन का भी होगा। उम्मीद है कि हमारी पुरानी संसद सदैव प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी और नयी संसद नयी लोकतांत्रिक चेतना के लिए प्रकाश स्तंभ बनेगी। बता दें कि इस समय संसद का विशेष सत्र चल रहा है। विशेष सत्र के पहले दिन की कार्यवाही पुरानी संसद भवन की इमारत में हुई। आज मंगलवार से विशेष सत्र के बाकी दिनों की कार्यवाही नयी इमारत में होगी।

संसदः महिला आरक्षण विधेयक के श्रेय को लेकर पक्ष-विपक्ष में खींचतान, भिड़े अमित शाह और अधीर रंजन

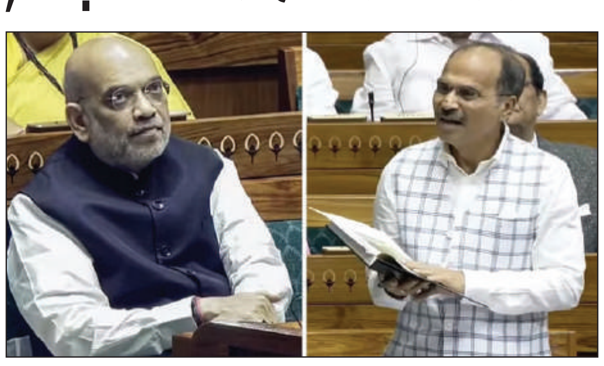

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन था। संसद की कार्यवाही नए संसद भवन में की गई। नए संसद भवन की शुरूआत में ही महिला आरक्षण विधेयक को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी के बीच तीखी बहस देखी गई। दरअसल, विधेयक के श्रेय को लेकर पक्ष-विपक्ष में खींचातानी बनी हुई है। अधीर रंजन लगातार महिला आरक्षण विधेयक को कांग्रेस सरकार की पहल बता रहे हैं। उनका कहना है कि महिला आरक्षण विधेयक की मांग यूपीए ने शुरू की थी। इस पर अमित शाह ने नए संसद भवन में कहा कि माननीय अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि पुराना विधेयक अभी भी जीवित है, जबकि स्पष्ट जानकारी है कि पुराने विधेयक की वैधता खत्म हो गई है। शाह ने कहा कि चौधरी जो दावा कर रहे हैं क्या उसके समर्थन में उनके पास कोई दस्तावेज हैं? उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सांसद के पास इससे संबंधित कोई कागजात हैं तो उन्हें सामने रखने चाहिए। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अगर कोई कागज नहीं रख सकते हैं, तो कांग्रेस नेता को अपना बयान वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चौधरी ने यह भी कहा है कि यह विधेयक लोकसभा में राजीव गांधी के समय में पारित किया गया था, जबकि ऐसा कभी भी नहीं हुआ है। शाह के इतना बोलते ही संसद में जोरदार हंगामा होने लगा। विपक्षी नेताओं के जोरदार हंगामे के बीच शाह ने कहा कि मुझे पूरा तो बोलने दीजिए। वहीं, लोकसभा स्पीकर भी विपक्षी सांसदों को शांत कराते दिखे। शाह ने आगे बात जारी रखी। उन्होंने कहा कि अगर विधेयक लोकसभा में पारित हो गया और उसे राज्यसभा में पारित नहीं किया गया। वहीं, उस दौरान लोकसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया तो विधेयक खुद ही खारिज माना जाता है। शाह ने कहा कि वह मानते हैं कि इस पर स्पष्टता होनी चाहिए। अगर अधीर रंजन चौधरी के पास इससे संबंधित कुछ जानकारी है तो उन्हें उसे सदन में रखना चाहिए।

निज्जर की हत्या के आरोपों पर भारत नाराज, उच्चायुक्त तलब, कनाडा के राजनयिक निष्कासित

नई दिल्ली। कनाडा की ओर से खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपों पर भारत ने नाराजगी जाहिर की है। विदेश मंत्रालय ने कनाडा की ओर से राजनयिक को निकाले जाने के फैसले का विरोध करते हुए आज कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया। साथ ही उन्हें कनाडा के एक वरिष्ठ उच्चायुक्त को निष्कासित किए जाने की जानकारी दी। इस राजनयिक को पांच दिन के अंदर भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि कनाडा ने भारत के एक शीर्ष राजनयिक को निष्कासित कर दिया। पूरा मामला सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड की जांच से जुड़ा है। कनाडा सरकार का आरोप है कि भारतीय राजनयिक हत्याकांड की जांच में हस्तक्षेप कर रहे थे और वह भी तब जब कनाडाई एजेंसी मामले की जांच के लिए प्रतिबद्ध हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार की साजिश हो सकती है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई प्रधानमंत्री मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को आरोप लगाए कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की है। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने जोर दिया कि कनाडा की धरती में कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बताया कि नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बात की थी। इस दौरान मैंने उन्हें कहा था कि हत्याकांड की जांच में भारत सरकार की कोई भी संलिप्तता अस्वीकार्य होगी। मैंने उनसे जांच में सहयोग करने का आग्रह किया था। कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या हुई है। इसकी जांच में किसी विदेशी सरकार की संलिप्तता हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है।

लोकसभा में होगी 181 महिला सांसदों की संख्या

नई दिल्ली। नए संसद भवन में पहले दिन की कार्यवाही में महिला आरक्षण बिल को लेकर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में महिला आरक्षण बिल की पुरजोर वकालत की। पीएम मोदी के भाषण के बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लोकसभा में पेश किया। बिल पेश करते हुए उन्होंने कहा कि इस बिल को दोनों सदनों से पारित किए जाने और कानून बनने के बाद लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 181 हो जाएगी। लोकसभा में फिलहाल 82 महिला सांसद हैं। कानून बनने के बाद निचले सदन और राज्य के विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो जाएगी। अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले जानबूझकर बिल को पास नहीं किया गया। महिला आरक्षण की अवधि 15 साल की होगी। बता दें कि इस बिल को लेकर लोकसभा में विपक्षी नेता और कांग्रेस के सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल अभी भी अस्तित्व में हैं। इसे राजीव गांधी, नरसिम्हाराव और मनमोहन सिंह की सरकार में भी पेश किया गया था। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिल अब अस्तित्व में नहीं है। नेता प्रतिपक्ष के बयान को रिकार्ड से हटाया जाए। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष के इस बयान पर लोकसभा में जमकर हंगामा मचा। बयान पर हंगामा मच गया है। उनके भाषण पर एनडीए सांसदों ने आपत्ति जताई है। इस बिल के मुताबिक, अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए तय सीटों में से ही 33 फीसदी का आरक्षण मिल सकेगा। वहीं, अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए सीटों में से ही 33 फीसदी आरक्षण उनकी समाज की महिलाओं के लिए होगा। बता दें कि इस बिल में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण का प्रविधान नहीं रखा गया है। लोकसभा में आरक्षण वाली सीटों का निर्धारण परिसीमन के बाद किया जाएगा।

राज्यसभा में खरगे-सीतारमण के बीच तीखी बहस; महिलाओं के मुद्दे पर आए आमने-सामने

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बीच तीखी नोंकझोक हुई। दरअसल, खरगे महिलाओं के मुद्दे पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति की महिलाओं की साक्षरता दर कम है। यही कारण है कि राजनीतिक दलों को कमजोर महिलाओं को चुनने की आदत है। वे उन लोगों को नहीं चुनते, जो शिक्षित हैं और लड़ सकती हैं। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि हम विपक्ष के नेता का सम्मान करते हैं, लेकिन यह व्यापक बयान देना कि सभी पार्टियां उन महिलाओं को चुनती हैं जो प्रभावी नहीं हैं, बिल्कुल अस्वीकार्य है। प्रधानमंत्री जी, हमारी पार्टी ने हम सभी को सशक्त बनाया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक सशक्त महिला हैं। इस पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पिछड़े, एसटी की महिलाओं को ऐसे मौके नहीं मिलते जो उन्हें मिल रहे हैं, हम ये कह रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फिर से कहा कि खरगे जी को अपने बयान के बारे में एक बार फिर से सोचना चाहिए।

गंजारी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के शिलान्यास में पीएम के साथ मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर व गावस्कर भी होंगे शामिल

30.86 एकड़ में बनने वाले स्टेडियम में एक साथ तीस हजार दर्शक बैठ सकेंगे

प्रखर वाराणसी। जिले के गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के शिलान्यास समारोह में क्रिकेट के दिग्गजों का जमावड़ा लगने वाला है। दिग्गजों में भारत रत्न मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी शामिल होंगे, साथ हो सुनील गावस्कर व रवि शास्त्री भी आएंगे। सब पीएम मोदी के मंच पर रहेंगे और शिलान्यास समारोह का हिस्सा बनेंगे। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला रहेंगे। शिलान्यास समारोह के बाद खिलाड़ी श्री काशी विश्वनाथ धाम जाकर दर्शन-पूजन करेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, दुनिया में काशी की चमक बिखेरने वाले हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय सहित सभी स्थानीय खिलाड़ी बुलाए गए हैं। युवक मंगल दल से जुड़े खिलाड़ी, एनसीसी व एनएसएस से जुड़े छात्र-छात्रा भी आमंत्रित किए गए हैं। बता दें कि पूर्वांचल के पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 सितंबर को करेंगे। इसकी तैयारियों की समीक्षा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को की है। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम स्थल को देखा और सभी तैयारियों को जल्द पूरा की जिम्मेदारी तय की। 30.86 एकड़ में बनने वाले स्टेडियम में एक साथ तीस हजार दर्शक बैठ सकेंगे। पहले चरण में स्टेडियम के साथ पार्किंग व एक प्रैक्टिस पिच बनाई जा रही है। स्टेडियम निर्माण पर 451 करोड़ रुपये खर्च होंगे। राज्य सरकार ने जमीन अधिग्रहण पर 121 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बीसीसीआई 330 करोड़ रुपये खर्च करके स्टेडियम का निर्माण कराएगा।

जाति व्यवस्था की मानसिकता दिमाग में एक दाग, इसे मिटाना आसान नहीं : देवस्वम

तिरुवनंतपुरम। केरल के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग और देवस्वम कल्याण मंत्री के.राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि जाति व्यवस्था कुछ लोगों के दिमाग पर एक दाग है और इसे तुरंत मिटाना आसान नहीं है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि कई उत्तरी राज्यों की तुलना में उनके राज्य ने जाति आधारित भेदभाव को खत्म करने में एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य का समाज किसी भी कीमत पर ऐसी बुराइयों को स्वीकार नहीं करेगा। मंत्री की यह टिप्पणी तब सामने आई है जब हाल ही में उन्हें केरल के एक मंदिर में कार्यक्रम के दौरान भेदभाव का सामना करना पड़ा। इस घटना ने राज्य में आक्रोश पैदा कर दिया। उन्होंने कहा, 'जाति व्यवस्था से बनी मानसिकता को बदलना आसान नहीं है। यह दिमाग में एक दाग है... इसे कपड़ों पर लगे दाग की तरह मिटाना आसान नहीं है।' हालांकि, उन्होंने कहा कि केरल का समाज इस तरह की मानसिकता को काफी हद तक बदल सकता है, लेकिन यह अभी भी कुछ व्यक्तियों के दिमाग में गहराई तक बसा हुआ है।' देवस्वओम ने स्पष्ट किया कि उनका इरादा इस घटना को विवाद में बदलने का नहीं है और उन्होंने सिर्फ लोगों को सामाजिक बुराई के बारे में संवेदनशील बनाने की कोशिश की है। उन्होंने इस बात को दोहराया कि भेदभाव केवल लोगों के प्रति दिखाया जाता है, पैसे के प्रति नहीं। मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि वह अपने साथ हुए भेदभाव के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने जा रहे हैं।

संपादकीय

भारत–कनाडा की व्यापार वार्ता

भारत और कनाडा के सम्बन्ध पारंपरिक तौर पर मधुर रहे हैं परन्तु पिछले कुछ समय से कनाडा में जिस तरह की भारत विरोधी गतिविधियां प्रकाश में आयी हैं उन्हें देखते हुए इस देश की सरकार को सावधान होकर दौत्य सम्बन्धों की मिठास बरकरार रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए थे, मगर दुर्भाग्य से इसमें कोताही देखी गई। भारत लगातार कनाडा सरकार को इस बारे में सचेत करता रहा परन्तु फिर भी भारत विरोधी तत्व किसी न किसी रूप में सक्रिय दिखाई दिये और इस हद तक सक्रिय रहे कि उन्होंने इस देश की राजधानी ओटावा में भारतीय उच्चायोग कार्यालय तक को भी नहीं बख्शा। जी-20 देशों के सम्मेलन में भाग लेने कनाडा के प्रधानमन्त्री श्री जस्टिन ट्रूडो आये थे और उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की थी। मगर इससे पहले ही कनाडा का मीडिया यह खबर दे रहा था कि भारत के साथ होने वाली व्यापार समझौते की वार्ता को कनाडा ने आगे के लिए टाल दिया है। कनाडा और भारत के वाणिज्यिक सम्बन्ध बहुत घनिष्ठ माने जाते हैं और इस प्रकार के हैं कि कनाडा को भारत का निर्यात उससे आयात से कुछ अधिक है।दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ने के बावजूद शुल्क मुक्त व्यापार वार्ता तन्त्र को फिलहाल भारत ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इसकी वजह यही मानी जा रही है कि दोनों देशों के बीच कुछ राजनैतिक मुद्दों पर असहमति है। मसलन कनाडा में पिछले महीनों में मन्दिरों पर हमला करने की घटनाएं प्रकाश में आयी और खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां भी चर्चा का विषय बनीं। हालांकि कनाडा में प्रवासी भारतीयों की संख्या कम नहीं है और यही वजह है कि वहां की राजनीति में इन प्रवासी भारतीयों की शिरकत भी खासी है और भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक उसकी सरकार में मन्त्री तक हैं। कनाडा एक लोकतान्त्रिक देश है जहां भारतीयों ने कई दशकों पहले से ही जाना शुरू किया और वहां की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान भी दिया। मगर खालिस्तान समर्थकों को परोक्ष रूप से यहां बल भी मिलता रहा। भारत इस तरफ कनाडा सरकार का ध्यान खींचता रहा है और समय-समय पर अपना कड़ा विरोध भी दर्ज कराता रहा है। वास्तव में खालिस्तान समर्थकों का कनाडा में सक्रिय रहना द्विपक्षीय आपसी मधुर सम्बन्धों में कड़वाहट पैदा करता रहा है। विगत जुलाई महीने में ही भारत ने नई दिल्ली स्थित कनाडा के राजदूत को बुला कर इस सम्बन्ध में उन्हें कड़ा विरोध पत्र दिया था और अपेक्षा की थी कि वहां की सरकार इस बारे में आवश्यक कार्रवाई करेगी परन्तु स्थिति में सुधार न होता देख भारत ने दोनों देशों के बीच चल रही मुक्त शुल्क समायोजित सघन व्यापार वार्ता को टालने का निश्चय किया और तय किया कि जैसे ही ये समस्याएं सुलझ जायेंगी वैसे ही पुनः व्यापार वार्ता शुरू कर दी जायेगी।भारत कनाडा का दसवां सबसे बड़ा कारोबरी साझीदार है। विगत वित्त वर्ष 2022-23 में भारत ने कनाडा को 4.10 अरब डालर के मूल्य का निर्यात किया और 4.05 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया। जबकि इससे पिछले वर्ष में निर्यात 3.76 अरब डालर का था औ? आयात 3.13 अरब डालर का था। इस प्रकार भारत के पक्ष में ही व्यापार सन्तुलन रहता है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कनाडा में सर्वाधिक प्रवासी भारत के पंजाब राज्य से हैं जिन्होंने यहां जाकर अपनी कड़ी मेहनत से इस देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है। इसके साथ ही कनाडा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी भारत से युवा विद्यार्थी बड़ी संख्या में जाते हैं परन्तु श्री मोदी ने जब जी-20 सम्मेलन के अवसर पर कनाडा के प्रधानमन्त्री श्री ट्रूडो के साथ बातचीत की तो स्पष्ट कर दिया कि उनके देश में भारत विरोधी गतिविधियां जारी हैं जिन्हें तुरन्त रोका जाना चाहिए। इस बातचीत के बाद भी भारत की तरफ से बहुत सख्त वक्तव्य जारी किया गया था। कनाडा में सक्रिय चरम व उग्रपंथी भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़काने का काम करते हैं और राजनयिक आवासों तक को निशाना बनाने से नहीं चूकते हैं। भारत ने कहा था कि ऐसे तत्वों की सांठगांठ संगठित अपराधी गिरोहों और नशीले पदार्थों के अवैध काराबारियों तक से हैं।

हटे क्यों कदम!

जैसे को तैसा मिला ।
आंकना ना कम ।।
गतिविधियां आतंकी तो ।
हटे क्यों कदम ।।
मनमुटाव ठीक नहीं ।
दो जलना ये त्याग ।।
देर ना लगेगी वरना ।
फैलने को आग ।।
देख रही है दुनिया ।
आपका हर रोल ।।
इसलिए तो शायद ।
खुली आज पोल ।।
फर्ज. था निभाना ।
हुए लेकिन फेल ।।
है फिर तो स्वाभाविक ।
कसनी तय नकेल ।।

–कृष्णोन्द्र राय

नयी संसदीय यात्रा के दौरान उन्नत और आदर्श मूल्यों को अपनाया जाये

ललित गर्ग

आज संसद में भारतीय संसदीय इतिहास का आठवां विशेष सत्र प्रारंभ हुआ, ऐतिहासिक रूप से देखें तो विशेष सत्र आमतौर पर महत्वपूर्ण विधायी या राष्ट्रीय घटनाओं के उपलक्ष्य में बुलाए गए हैं। संसदीय इतिहास में अब तक संसद के सात विशेष सत्र बुलाए जा चुके हैं जिनमें से तीन बार ऐसे सत्र तब बुलाए गए जब देश ऐतिहासिक उपलब्धियों का जश्न मना रहा था। वहीं दो बार राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए 1977 में तमिलनाडु और नगालैंड में तो 1991 में हरियाणा में विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। इस बार 75 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा के लिए मुख्यतः विशेष सत्र बुलाया गये हैं। इस बार का विशेष सत्र संसदीय परम्परा के श्रेष्ठ स्वरूप को उपस्थित करके उसके उत्कर्ष को बढ़ाने और उसे उन्नत-आदर्श बनाने के लिये होना चाहिए, न केवल इस विषय पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए, बल्कि इस पर चिंतन और मनन भी होना चाहिए। क्योंकि इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ वर्षों में संसद में कामकाज के तौर-तरीकों में गिरावट आई है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का विशेष सत्र अन्य सत्रों की तरह हंगामेदार, अमर्यादित एवं अनुशासनहीन न होने की बजाय सार्थक बहस का माध्यम बनना चाहिए कि हमारी संसदीय कार्यप्रणाली किस प्रकार प्रेरक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वाहक बने। बिना राजनीति आग्रह एवं पूर्वाग्रह के इस पर चिंतन और मनन भी होना चाहिए कि संसदीय कार्यवाही कैसे गरिमापूर्ण तरीके से चले। ऐसे अवसर दुर्लभ ही रहे हैं जब संसद में कोई सार्थक चर्चा हुई हो। इसलिये उचित होगा कि इस सत्र में सरकार ने जो विधेयक प्रस्तावित किए हैं उन पर भी बिना सोचे-समझे विरोध जताने के बजाय विपक्षी दल स्वस्थ बहस के लिए तैयार रहें। यह तभी हो सकता है जब नकारात्मकता का परिचय देने के बजाय विधेयकों की रूपरेखा देखने के उपरांत प्रतिक्रिया व्यक्त की सकारात्मक मानसिकता को अपनाया जाये।

निश्चित ही भारतीय संसद के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये संसद एवं आजादी की 75 साल की उपलब्धियों एवं निरन्तर बढ़ रही कमियों पर चर्चा के साथ उन कमियों एवं विसंगतियों को दूर करने का रोडमेप तैयार होना चाहिए। हमें अब तक संसदीय यात्रा की उपलब्धियां, अनुभव, स्मृतियां, कमियों और उनसे मिली सीख को चर्चा का माध्यम बनाते हुए सर्वसम्मति से नये संसदीय यात्रा के लिये उन्नत एवं आदर्श मूल्यों को अपनाने के लिये तत्पर होना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद में भी विरोध के लिए विरोध की राजनीति अधिक देखने को मिलती है। विपक्षी दल संसद में चर्चा करने से अधिक नारेबाजी करने, नारे लिखी हुई तख्तियां दिखाने, अध्यक्ष के आसान तक पहुंच कर हंगामे करने में ज्यादा ऊर्जा खपाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में तो ऐसा लगातार हो रहा है और इसके चलते कई सत्र ऐसे भी रहे जब कोई खास काम नहीं हो सका। 18 सिंतबर से 22 सिंतबर तक चलने वाले इस विशेष सत्र के दौरान कुल 8 विधेयकों को चर्चा और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इनमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, उनकी सेवा की शर्तें और कार्यकाल की अवधि विषयक विधेयक-2023, द प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स बिल, डाकघर विधेयक प्रमुख हैं। इस विशेष सत्र की कार्रवाही का पहला दिन पूराने संसद भवन में एवं बाकि चार दिन नये संसद भवन में आयोजित होगी। इस सत्र की

एक और विशेषता है कि लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों का दूसरे दिन मंगलवार सुबह ग्रुप फोटो होगा। यह भी संभावना की जा रही है कि यह मौजूदा संसद का आखिरी सत्र हो सकता है और सरकार लोकसभा चुनाव समय से पहले करवा सकती है। लोकतंत्र में सफलता की कसौटी है- संसद की कार्रवाही का निर्विघ्न संचालित होना। लेकिन संसद के विशेष सत्र शुरू होने से पूर्व ही कांग्रेस ने नकारात्मक राजनीति के संकेत दे दिये हैं। क्योंकि कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति का ही यह उदाहरण है कि सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस की ओर से यह कहा गया कि विशेष सत्र में मणिपुर की स्थिति का मुद्दा भी उठाया जाएगा। जबकि सरकार ने संसद के पिछले सत्र में इस विषय पर चर्चा को लेकर कई बार सहमति जताई थी और अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की ओर से विपक्ष के सवालों के जवाब भी दे दिए गए थे तब विशेष सत्र में इस मुद्दे को उठाने का क्या कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के इस तरह के आग्रह एवं पूर्वाग्रह कोई नई-अनोखी बात नहीं है। लेकिन कांग्रेस एवं विपक्ष ने इस विशेष सत्र को भी हंगामेदार करने की ठानी है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जहां तक महंगाई, बेरोजगारी, चीन सीमा, आतंकवाद, चुनावों की स्वच्छता, जैसे मुद्दों को उठाने एवं इन विषयों पर सरकार से जबाव मांगने का प्रश्न है, यह स्वस्थ एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। लेकिन इन्हीं या दूसरे मुद्दों को आधार बनाकर जहां संसद की कार्रवाई को बाधित करने की स्थितियां हैं, यह अलोकतांत्रिक है, अमर्यादित है।

विशेष सत्र लोकतांत्रिक समझौते के साथ समझ को विकसित करने का उदाहरण बने, यह अपेक्षित है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में संसदीय यात्रा पर चर्चा के लिए बुलाए गए विशेष सत्र में भी सरकार के प्रत्येक कदम की आंख बंदकर विरोध करने की स्थितियों की बजाय राष्ट्रीय महत्व एवं संसदीय गरिमा के विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि देश को कोई दिशा मिल सके, विकास के कार्यों को गति मिल सके, लेकिन इसके स्थान पर आरोप-प्रत्यारोप अधिक होना औचित्यपूर्ण नहीं है। कई बार तो इसे लेकर गतिरोध कायम हो जाता है जो संसद के अमूल्य समय की बबार्दी है। मौजूदा माहौल में सरकार के लिए चर्चा से इंकार करना मुश्किल होगा, लेकिन विपक्ष को भी इस बात का ध्यान रखना होगा कि अधिक आक्रामक रुख अख्तियार कर वह संसद की कार्यवाही को बाधित करने तक सीमित न रह जाए। ऐसा होने से लोकतंत्र की मूल भावना पर आघात होता है। विपक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने और विशेष सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिए पहल करें एवं एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करें। देश की संसद को निरपेक्ष भाव एवं सकारात्मक ढंग से राष्ट्रीय परिस्थितियों का जायजा लेते हुए लोगों को राहत प्रदान करने के प्रावधानों पर चिन्तन-मंथन के लिये संचालित करना होगा। संसद केवल विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच वाद-विवाद का स्थल नहीं होती है बल्कि जन हित में फैसले करने का सबसे बड़ा मंच होती है। इसके माध्यम से ही सत्तारुढ़ सरकार की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय होती है और जरूरत पड़ने पर जवाबतलबी भी होती है परन्तु यह भी सच है कि सत्ता और विपक्ष की संकीर्णता एवं राजनीतिक स्वार्थ देश के इस सर्वोपरि लोकतांत्रिक मंच को लाचार भी बनाते हैं जो 140 करोड़ जनता की लाचारी बन जाते हैं।

सनातन धर्म पर हमला करने के लिए अचानक से इतने सारे आक्रांता कहां से आ गये हैं?

दीपक कुमार त्यागी

देश में 2024 के लोकसभा चुनाव की बिसात बिछ गई हैं, राजनेता मतदाताओं को हर-हाल में अपने पक्ष में करने के लिए बेहद ही व्याकुल हैं। जिसके चलते ही आजकल चंद राजनेता अपने ऊल-जलूल बयानों से देश की एकता-अखंडता, सामाजिक व धार्मिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे बयानवीर राजनेता अपने क्षणिक राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए अब तो 'सनातन धर्म' को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। हालांकि अहंकार में वशीभूत यह चंद लोग भूल रहे हैं कि 'सनातन धर्म' हमारे प्यारे भारत देश की आत्मा है, मूल पहचान है, कम से कम उसे तो अपनी ओछी राजनीति के लिए निशाना ना बनाये, लेकिन वह फिर भी बाज नहीं आते हैं। आज देश में एक बार फिर से कुछ लोगों के द्वारा 'सनातन धर्म' को समाप्त करने की बात सार्वजनिक मंचों से की जाने लगी है। लेकिन यह लोग भूल जाते हैं कि सत्य, अहिंसा परोपकार आदि के मूलमंत्र के आधार पर आदिकाल से कार्य करने वाले 'सनातन धर्म' को मुस्लिम शासकों, अंग्रेजी हुकूमत व ईसाई मिशनरियों ने भी दुनिया से मिटाने के लिए हजारों वर्षों तक तरह-तरह के हथकंडे अपनाए थे, लेकिन फिर भी वह इस 'सनातन धर्म' को समाप्त नहीं कर पाये और 'सनातन धर्म' की ओजस्वी धर्म ध्वजा को दुनिया में फहराने से रोक नहीं पाए।

वैसे देखा जाए तो अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर ऊल-जलूल बोलना आजकल हमारे देश में एक फैशन बन गया है। जिस तरह से आज हमारे प्यारे देश भारत में कुछ जिम्मेदार लोगों के द्वारा 'सनातन धर्म' के बारे में तरह-तरह की अनर्गल, तथ्यहीन बयानबाजी की जा रही है, क्या इस तरह की ऐसी झूठी या सच्ची बात किसी अन्य धर्म व मजहब के बारे में कहने की इन राजनेता व लोगों के अंदर हिम्मत है। आज अपने वोटबैंक को साधने की खातिर यह चंद राजनेता लोग 'सनातन धर्म' को निशाना बनाने से बाज नहीं आ रहे हैं और एक नई झूठी तथ्यहीन परिभाषा गढ़ने के साथ जनता को 'सनातन धर्म' के खिलाफ बरगलाने में लगे हुए हैं। जबकि 'सनातन धर्म' के बारे में कटु सत्य यह है कि जनता के बीच सत्य, अहिंसा, परोपकार सहिष्णुता जैसे आदि कारणों से 'सनातन धर्म' आदिकाल से ही देश व दुनिया में बड़े पैमाने पर आम जनमानस के बीच स्वीकार्य है। दुनिया में यही एकमात्र धर्म ऐसा है, जिस धर्म में सत्य पर आधारित बात होती है, अगर आत्मा की बात होती है तो परमात्मा की भी बात होती है। वहीं

हमारे आराध्य भगवान राम व कृष्ण आदि अगर पुरुष के रूप में हैं, तो वह मां दुर्गा-लक्ष्मी के स्त्री के रूप में भी विराजमान हैं और सम्मान के साथ पूजनीय हैं। वहीं 'सनातन धर्म' में जीव, जंतु व मानव भी हैं, तो धरा पर उपस्थित साक्षात दिव्य अलौकिक प्रकृति भी है। 'सनातन धर्म' में इतनी अधिक सरलता है कि कोई भी व्यक्ति वेद, पुराण, मंत्रों आदि को जाने बिना भी पूरे अधिकार के साथ 'सनातन धर्म' का अनुयाई हो सकता है। 'सनातन धर्म' की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके अनुयायी ईश्वर को मानने वाले आस्तिक भी हैं और नास्तिक भी। 'सनातन धर्म' की सबसे बड़ी खूबी यह है कि हमारे घरों में स्थापित किए गए मंदिर में भी अलग तरह की देवी-देवताओं की बहुत सारी प्रतिमाएं होती हैं और धर्म में इतनी ज्यादा सरलता है कि एक परिवार के सदस्य भी अलग-अलग देवी-देवताओं के उपासक हो सकते हैं। एक ही पूजा घर में विभिन्न देवी-देवताओं की एक साथ पूजा करके विश्व का सबसे प्राचीन धर्म 'सनातन धर्म' विविधताओं के बावजूद भी समाज को एकजुट रहने का हर-पल संदेश देता है। जिस धर्म में लोगों के जीवन में अहम स्थान रखने वाली प्रकृति, जल, थल, वायु व अग्नि की भी पूजा की जाती हो। जो धर्म अपने हर अनुयायियों को यह सिखाता हो कि आप जीवन में किसी भी मानव, जीव-जंतु से ऐसा ही व्यवहार करें जैसा कि व्यवहार आप खुद दूसरे से अपने लिए चाहते हैं। जो धर्म सभी धर्मों की जननी माना जाता है आज कुछ नादान लोग उसको समाप्त करने का सपना देखने कार्य रहे हैं। उस महान 'सनातन धर्म' पर लोगों से भेदभाव करने का निराधार बेतुका आरोप लगा रहे हैं। वैसे भी हमारे देश के इन सभी तथाकथित बयानवीरों को यह समझना चाहिए कि 'सनातन धर्म' का अर्थ है जो शाश्वत हो, सदा के लिए सत्य हो, जिन बातों का हम लोगों के जीवन में शाश्वत महत्व हो वही बातें 'सनातन धर्म' में कही गई है। इसलिए ही दुनिया मानती है कि सत्य सनातन है, ईश्वर ही सत्य है, आत्मा ही सत्य है, मोक्ष ही सत्य है और इस सत्य के मार्ग को बताने वाला धर्म ही 'सनातन धर्म' भी सत्य है। वह सत्य जो कि आदिकाल से दुनिया में चला आ रहा है और जिसका कभी भी अंत नहीं होगा। देखा जाये तो 'सनातन धर्म' के मूल तत्व सत्य, अहिंसा, दया, क्षमा, दान, जप, तप, यम-नियम आदि का हर एक व्यक्ति के जीवन में शाश्वत महत्व है और यह तथ्य दुनिया के अन्य सभी धर्मों के उदय के पूर्व ही हमारे ऋषि-मुनियों के द्वारा वेदों में प्रतिपादित कर दिये गये थे। फिर भी कुछ लोग ऐसे महान धर्म को समाप्त करने की हसरत अपने दिल में पाल कर बैठे हैं। इन लोगों को समझना होगा कि आदिकाल से ही 'सनातन धर्म' हर एक व्यक्ति को अनुशासित जीवन जीने की कला सिखाने का कार्य करता है, ना कि लोगों के बीच जहर भरने का कार्य करता है। लेकिन अब देश की जनता को भी समझना होगा कि चंद राजनेता वोटबैंक के लिए बार-बार अपनी 'काठ की हांडी चढ़ाते हैं' जिसको अब चढ़ने से रोकना होगा और देश व समाज के हित में कार्य करने वाले लोगों को चुनकर आगे बढ़ाना होगा, तब ही बार-बार जहर उगलने वाले नेताओं की नफरत की दुकान बंद होगी और 'सनातन धर्म' के मानव जगत के उद्देश्य पूर्ण होंगे।

राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का लक्ष्य आखिर कब तक पूरा हो पायेगा?

आगामी पांच राज्यों में विधानसभा एवं अगले वर्ष लोकसभा चुनाव की आहट के साथ एक बार फिर अपराधी उम्मीदवारों को लेकर चिन्ता के स्वर उभर रहे हैं। राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का प्रवेश रोकने के लिए लंबे समय से बहसें चलती रही हैं। अमूमन सभी दल और उनके नेता इसे लेकर चिंता जताते हैं, मगर विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन सकी है, जिसमें किसी अपराध में लिप्त रहे व्यक्ति को संसद या विधानसभा में पहुंचने से रोका जा सके। एसोएिशन आफ डेमोक्रेटिक रिसर्च की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से पचीस फीसद मामले गंभीर अपराधों से जुड़े हुए हैं, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे मामले शामिल हैं। ये ही अपराधी छवि वाले सांसद एवं विधायक एक बार फिर उम्मीदवार बनने में सफल होने वाले हैं। सवाल है कि देश की संसद तक में इस स्थिति के रहते अपराधमुक्त राजनीति का लक्ष्य कैसे प्राप्त हो सकेगा? निश्चित रूप से भारतीय लोकतंत्र की यह एक विद्रूपता एवं त्रासदी ही है कि किसी अपराधी का दोषी होने और सजायाफ्ता होने के बावजूद उसे कैसे उम्मीदवार बनाकर कर भोली-भाली जनता पर थोप दिया जाता है। ऐसे अपराधी किस्म के जनप्रतिनिधि क्या जनता की भलाई करेंगे एवं क्या विधायिका में बैठकर जनता के हित के कानून बना पायेंगे?

आजादी के अमृतकाल की दुदुम्भी और शंखनाद से इतर जब राजनीति के अपराधीकरण पर हम नजर डालते हैं तो शर्म से सिर झुक जाता है। जो सदन कभी जनता के सवालों पर गूंजता था, एक से बढ़कर एक वक्ताओं के ऐतिहासिक एवं सार्थक भाषणों की संसद से लेकर सड़क तक चर्चा होती थी, लोकतंत्र की इस खूबी पर दुनिया को भी जलन होती थी, आज वही लोकतंत्र, वही सदन दागी नेताओं की उपस्थिति और उसके खेल से शर्मसार है। भारतीय संसद के अबतक के इतिहास पर नजर डाले तो लगता है कि जिस तेजी से संसद और विधानसभाओं में दागी नेताओं की उपस्थिति बढ़ रही है, एक दिन ऐसा आएगा जब संसद में बेदाग नेता-मंत्रियों की तलाश अधूरी ही रह जायेगी। ऐसे अपराधी सांसदों एवं विधायकों के कारण सदनों में सत्रों के दौरान सार्थक बहसों की बजाय हंगामे होते हैं। इन्हीं कारणों से चिंताजनक स्थिति यह बनी है कि आज भारत में ही संसद के प्रति सम्मान, संसद में शालीन आचरण और पक्ष-विपक्ष के बीच स्वस्थ परंपराएं अब धूमिल हो रही हैं। संसद की कार्यवाही तो इसी ह्रास का संकेत करती है। देखना है कि संसद के आगामी विशेष सत्र में संविधान सभा से शुरू होने वाली 75 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा के समय कोई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत हो पाता है या नहीं? एक सफल लोकतंत्र के जितने भी आयाम हैं क्या भारत उस पर खरा उतरा है? किसी भी लोकतंत्र की साख उसकी विधायिका पर ज्यादा निर्भर है। नेता के गुण-अवगुण और चरित्र लोकतंत्र को ज्यादा प्रभावित करते हैं। आजादी के बाद भारतीय विधायिका और उसके नेताओं की जनता के प्रति वफादारी और उत्तरदायित्व की तूती बोलती थी लेकिन अब वही विधायिका आपराधिक कुकृत्यों से कलंकित है। राजनीति में आपराधिक तत्वों का आधिपत्य है और संसद से लेकर विधानसभाएं अपराधी, दागी नेताओं से भरी हुई है। ऐसे में भला एक ईमानदार एवं आदर्श लोकतंत्र की कल्पना कैसे की जा सकती है? संसद और विधानसभाओं का भविष्य धुंधलाता जा रहा है। भले ही महिलाओं को संसदीय राजनीति के लिए अब तक 33 फीसदी आरक्षण का लाभ तो नहीं मिला हो लेकिन बड़ा सच यही है कि गुपचुप तरीके से सभी राजनीतिक दलों ने सदन में दागी नेताओं के लिए 33 फीसदी से ज्यादा सीटें आरक्षित कर रखी है। इसे आप दागियों के पैरों तले लोकतंत्र को कुचलना कहिये या फिर दागियों के प्रति लोकतंत्र की आस्था। यही हाल धनकुबेर नेताओं का भी है। अगर दागियों के लिए 33 फीसदी से ज्यादा सीटें आरक्षित है तो धनकुबेर नेताओं के लिए भी 80 फीसदी से ज्यादा सीटें आरक्षित हैं।

विशेष संवाद : सेक्युलर विद्यालयों में इस्लाम का प्रचार?

विद्यालयों में चल रहे इस्लामी प्रचार (जिहाद) को रोकें ! - श्री. जयेश थळी

दिल्ली स्थित स्टूडंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया संगठनने स्वयं बताया है कि गोवा में गत 10 वर्षों से विद्यार्थियों के लिए इस्लामिक कार्यशालाओंका आयोजन किया जा रहा है । इस संगठन का तुर्की देश के टुगवा नामक आतंकवादी संगठन से संबंध है । विद्यार्थियों में कट्टर इस्लाम का प्रचार कर लव जिहादपर आधारित द केरल स्टोरी जैसी फिल्मों समान द गोवा स्टोरी तैयार की जा रही है । गोवा में अभिभावकों को ऐसी घटनाओं को सबके सामने आकर बताना चाहिए अन्यथा इस षड्यंत्र की और भी स्कूल की लडकीया बलि चढने की संभावना है । गोवा के सरकार एवं पुलिस ने इस घटना की जांच कर विद्यार्थियों में जिहादी मनोवृत्ति बढाने का षड्यंत्र रोकना चाहिए । तथाकथित सेक्युलवादी, आधुनिकतावादी लोग केशव स्मृति विद्यालय की घटना पर मौन साधे हैं । यदि किसी घटना में अल्पसंख्यक पीडित होते, तो उन्होंने देशभर में हंगामा मचा दिया होता । सेक्युलर विद्यालयों में हिन्दुओं को अपने धर्म की शिक्षा नहीं मिलती और सेक्युलर विद्यालयों में स्कूल जिहाद चलाया जा रहा है । उसे रोकना चाहिए, ऐसा प्रतिपादन गोमंतक मंदिर महासंघके सचिव श्री. जयेश थळी के किया । हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित किए गए सेक्युलर विद्यालयों में इस्लामका प्रचार? इस विशेष संवाद कार्यक्रम में वे बोल रहे थे । हिन्दू जनजागृति समिति के दिल्ली प्रवक्ता श्री. नरेंद्र सुर्वे ने उनसे संवाद साधा।

श्री. जयेश थळी

इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के दक्षिण गोवा सहमंत्री श्री. संजू कोरगावकर ने कहा, गोवा के दाबोली (वास्को) के केशव स्मृति विद्यालयने शिक्षा विभाग, विद्यालय के व्यवस्थापकीय मंडल, विद्यार्थियों के अभिभावकों को अंधेरे में रखकर विद्यालय के हिन्दू विद्यार्थियों के पास की मस्जिद में इस्लामिक कायार्शाला के लिए भेजा । स्टूडंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया की सूचना पर विद्यालय के व्यवस्थापन ने यह कृति की । मस्जिद में उपस्थित मौलवी ने यह बताकर कि अल्ला ही सर्वश्रेष्ठ है और हिन्दुओं के देवी-देवता भगवान नहीं, अपितु पत्थर हैं, विद्यार्थियों का बुद्धिभेद किया । इस विषय में हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों के आंदोलन करने के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य को सेवा से निलंबित कर दिया गया। तदुपरांत विद्यालय के व्यवस्थापन ने स्वयं को बचाने के लिए विद्यार्थियों का दुरुपयोग किया। विद्यार्थियों को रास्ते पर आंदोलन करने के लिए बाध्य किया। विद्यालय में इस्लामी आतंकवाद फैलाकर, उनका धर्मपरिवर्तन करने का यह षडयंत्र है । गोवा में वर्ष 2018 से 2023 तक, 1 हजार 753 लडकियों के लापता है । सरकार और प्रशासन को केशव स्मृति विद्यालय के व्यवस्थापकीय मंडल को पूर्णतः बरखास्त कर, वहां प्रशासक नियुक्त करना चाहिए और निलंबित प्राचार्य को हमेशा के लिए पदच्युत कर देना चाहिए।

लोकभवन लखनऊ से मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय पोषण माह 01 सितम्बर 23 से 30 सितम्बर 23 तक का शुभारम्भ सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने लोक भवन से किया। इस अवसर पर उन्होने प्रदेश के 1359 आगनवाड़ी केन्द्रो का लोकार्पण, शिलान्यास, 101 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास, तथा 02 लाख आगनवाड़ी कार्यकत्रियों एंव सहायिकाओ को यूनिफार्म हेतु डीबीटी के माध्यम से उनके खाते मे धनराशि का अन्तरण किया, इसके साथ ही राष्ट्रीय पोषण अभियान के अन्तर्गत गोद भराई एवं अन्न प्रासन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसका सीधा प्रसारण राईफल क्लब सभागार में देखा गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल, जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय, सीडीपीओ प्रशान्त सिंह, समस्त सीडीपीओ सहित आगनबाड़ी कार्यकत्री, धात्री महिलाए उपस्थित रही।

जनपद स्तर पर यह कार्यक्रम राईफल क्लब सभागार मे मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि एवं जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने इस अभियान के अन्तर्गत 10 कुपोषित बच्चे जो उपचार के पश्चात सुपोषित हुए उनकी माताओं को प्रमाण पत्र एवं बच्चो को खिलौने देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही 10 धात्री महिलाओ मे फल एवं पोषाहार का वितरण एवं 10 शिशुओ का अन्न प्रासन कराया गया।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय पोषण माह जो दिनांक 01 सितम्बर 2023 से 30 सितम्बर 2023 तक चलाया जा रहा है, के शुभारम्भ पर उपस्थित आगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस अभियान का शुभारम्भ लोक भवन से किया है। इसी क्रम मे आज हम लोग यहां एकत्रित हुए है जिसका मूल मकसद पोषण जैसे महत्तपूर्ण विषय पर जानकारी प्राप्त करना है। उन्होने कहा कि आगनबाडी कार्यकत्री अपने-अपने क्षेत्रो मे इस अभियान को सफल बनाते हुए लोगो मे जागरूकता लाये तथा लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। जागरूकता के माध्यम से ही महिलाए स्वस्थ्य रहेगी तभी वे अपने शिशुओ की भी देख-भाल कर सकेगी, जिससे एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण होगा। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा पिछले कई वर्षो से पोषण अभियान पर विशेष बल दिया जा रहा है सभी आगंनवाड़ी कार्यकत्रियों का दायित्व है कि वे अपने-अपने क्षेत्रो के ऐसे शिशुओ को चिन्हित करे जो कुपोषण से ग्रसित है तथा उन्हे चिकित्सीय सुविधा एवं निश्चित पोषाहार उपलब्ध कराते हुए कुपोषण से सुपोषण की तरफ लेकर आये। यह एक महत्तपूर्ण कार्य है जिससे समाज का उत्थान होगा। उन्होने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को आशा, एएनएम के साथ मिलकर वीएचएनडी दिवस पर बच्चो एव गर्भवती महिलाओ की जॉच अवश्य कराने का निर्देश दिया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल ने इस अवसर पर समस्त आगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए पूरी लगन के साथ इस अभियान को सफल बनाने की बात कही। उन्होने कहा कि शासन की मंशा है कि इस अभियान से जुड़ी प्रत्येक जानकारी जनपद के हर एक जनमानस को प्राप्त हो जिससे वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे। आगनबाड़ी कार्यकत्री घर-घर जाकर पोषण अभियान एवं बीमारियों से बचाव की जानकारी दे। कोई भी बच्चा कुपोषित न हो। कार्यक्रम के अन्त में जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप पाण्डेय ने मुख्य अतिथि, जिलाधिकारी, एवं उपस्थित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

सोंधीः 397 दिव्यांगो को मुख्यमंत्री आवास योजना का मिलेगा लाभ

खेतासराय (जौनपुर)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज ब्लॉक सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर 54 दिव्यांगो को बीडीओ जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें स्वीकृत आवास का प्रमाण पत्र सौंपे। ब्लॉक के 113 ग्राम पंचायतों के वित्तीय वर्ष में 397 दिव्यांग लाभार्थी का चयन हुआ। पात्रों को प्रमाण पत्र मिलते ही उनके चेहरे देखने लायक थे। बीडीओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना में चयनित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देने के लिए वितरण समारोह का आयोजन हुआ। उपस्थित लोगों को स्वीकृत प्रमाण पत्र दिये गए। भाजपा नेता विजय सिंह विद्यार्थी मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सभी तबके के लोगों का लाभान्वित किया जा रहा है। दिव्यांगो को

तरजीह के तहत उन्हें छत दिया जा रहा है। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह, विनय सिंह, योगेश सिंह, दुर्गेश शर्मा, बीडीसी मो वाकिब, मीना रानी, मन्नू नेता समेत अन्य लोग शामिल रहे।

मामले की लीपापोती पर कोतवाल सदर व लापरवाही में चौकी प्रभारी गोराबाजार हुए निलम्बित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने सदर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह व चौकी प्रभारी गोराबाजार उप निरीक्षक अभिषेक सिंह को कार्य में लापरवाही व अनियमितता बरतने के कारण सोमवार को निलंबित कर दिया। पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मच गया। बताया गया कि गत ग्यारह सितंबर को क्षेत्र के तुलसीसागर मुहल्ले में एक युवक को गोली मारने की घटना घटित हुई थी। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए स्थानीय पुलिस को कार्रवाई का आदेश दिया गया था, परन्तु इलाकाई पुलिस ने इसे आपसी मारपीट दर्शाते हुए मामूली कार्रवाई करते हुए सामान्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को बचाने का कार्य किया। जबकि मामले में घायल व्यक्ति का इलाज के दौरान जब पन्द्रह सितम्बर को एक्स-रे हुआ तो घाव में गोली फंसी दिखाई दी और आपरेशन कर गोली निकाली गई। घटना की समीक्षा के बाद, स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने विवेचक चौकी प्रभारी गोराबाजार उप निरीक्षक अभिषेक सिंह तथा सदर कोतवाल निरीक्षक तेज बहादुर सिंह को कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने इस पूरे

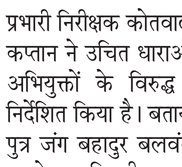

मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक नगर को सौंपी है। वहीं दूसरी तरफ प्रभारी निरीक्षक कासिमाबाद अशेषनाथ सिंह को तत्काल प्रभाव से प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर बनाया गया। पुलिस कप्तान ने उचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। बताया गया कि आलोक बलवंत पुत्र जंग बहादुर बलवंत ने 11 सितंबर को गोली लगने पर, विपक्षी पर मुकदमा दर्ज करने हेतु सदर कोतवाली में तहरीर दी। वहाँ उस पर दबाव बनाकर पुलिस ने सिर्फ मारपीट का अभियोग दर्ज किया। इससे क्षुब्ध होकर आलोक बलवंत एमएलसी विशाल सिंह चंचल के यहां पहुंच कर आपबीती बताई। इस बावत जब एमएलसी प्रतिनिधि डा. प्रदीप पाठक ने कोतवाल सदर से जानकारी चाही तो कोतवाल ने उस मामले को सामान्य मारपीट की घटना बताकर मामले को टाल दिया। जब 17 सितंबर को एमएलसी विशाल सिंह चंचल गाजीपुर आये तो घायल आलोक बलवंत ने कंधे में गोली लगे घाव को उन्हें भी दिखाया और बताया कि गोली लगने के बावजूद भी कोतवाल द्वारा सिर्फ मार पीट का मुकदमा दर्ज किया गया है। एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने तत्काल सदर कोतवाल तथा क्षेत्राधिकार को तत्काल कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। इसके बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई न होने पर और छह घंटे से जिला अस्पताल में बैठे हुए आलोक ने रात्रि करीब दस बजे एमएलसी प्रतिनिधि डॉ प्रदीप पाठक से अपना दुखड़ा रोया।

रोडवेज कर्मचारियों के उत्पीड़न के खिलाफ राज्य कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद गाजीपुर के प्रतिनिधि मंडल दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिलाधिकारी गाजीपुर से मिला व गाजीपुर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बी0के0 पांडेय द्वारा आए दिन कर्मचारी को प्रताड़ित व गाली गलौज दिया जाता है,जिससे परेशान होकर उमेश तिवारी कनिष्ठ लिपिक,16 सितम्बर 23 से हार्ट अटैक के कारण निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, नियाज अहमद तीन स्मित दिनांक 5 सितंबर 23 को स्टेशन परिसर में ही मृत पाए गए, अजय कुमार सिंह संविदा चालक,दिनांक 7 सितम्बर 23 को कार्यशाला परिसर में बस के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिए, व दया पाल कनिष्ठ लिपिक को दिनांक 18 सितम्बर 23 को बस स्टेशन परिसर में कर्मचारीयों,यात्रियों व हमराहियों के बीच सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा गाली गलौज एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया जा रहा था, जिससे उक्त कर्मचारी

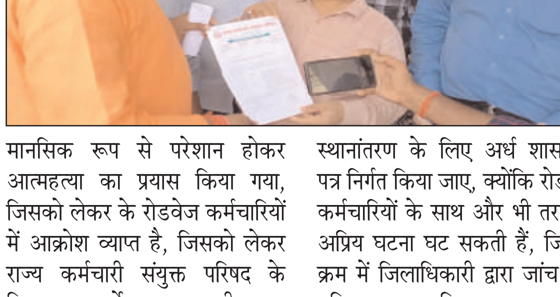

मानसिक रूप से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास किया गया, जिसको लेकर के रोडवेज कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है, जिसको लेकर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा मांग पत्र अतिरिक्त उप जिलाधिकारी नवीन जी को प्राप्त सुपुर्द कराया गया, जिलाधिकारी से मांग पत्र पर वार्ता किया गया कि उपरोक्त प्रकरण में उच्चस्तरीय जांच कराते हुए दोषी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बी0के0पांडेय के ऊपर सुसंगीत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया जाए तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के स्थानांतरण के लिए अर्ध शासकीय पत्र निर्गत किया जाए, क्योंकि रोडवेज कर्मचारियों के साथ और भी तरह के अप्रिय घटना घट सकती हैं, जिसके क्रम में जिलाधिकारी द्वारा जांच टीम गठित कर दिया गया, और प्रतिनिधिमंडल को अस्वस्थ किया कि जांचों उपरांत दोषी के ऊपर कार्रवाई की जाएगी प्रतिनिधि मंडल में दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव, अरविंद कुमार सिंह, ओंकार नाथ पांडेय, राकेश पांडेय, सुभाष सिंह, मांधाता सिंह, अभय सिंह जयप्रकाश सिंह, दया पाल, संतोष अमित, आदि लोग मौजूद रहे।

प्रमोद वर्मा ने भाजपा जिलाध्यक्ष को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम देकर किया अभिनंदन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुनील सिंह से पार्टी कार्यालय पर मिलकर जखनियां प्रथम एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की टीम ने अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह देकर उनका हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा सुनील सिंह बचपन से ही स्वयंसेवक है। उन्होंने अपने जीवन का कुछ समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचारक के रूप में देश की सेवा की है। वह पार्टी के विभिन्न पदों पर आसीन रहे हैं और पार्टी के प्रति वफादार, कर्मठ, जुझारू और पूर्ण रूप से संघटनात्मक है।

सुनील सिंह का कार्यकताओं के प्रति मधुर व्यवहार रहा है और वह बेहद ही मिलनसार व्यक्तित्व के धनी है। वर्मा ने कहा सुनील सिंह का लंबा संगठनात्मक अनुभव पार्टी को बहुत ही काम आएगा। निश्चित रूप से सुनील सिंह के नेतृत्व में भाजपा जनपद में एक नया मुकाम स्थापित करेगी यह आशा ही नहीं हम सभी कार्यकताओं को पूर्ण विश्वास है। सुनील सिंह को गाजीपुर जनपद की बीजेपी टीम की कमान सौपी है, उसके लिए जनपद पार्टी कार्यकताओं की तरफ से शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, व्यापारी नेता अशोक गुप्ता, श्यामबली मद्धेशिया, प्रवीण त्रिपाठी, पप्पू वर्मा, विजय गुप्ता, अशोक राजभर सहित प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय पोषण समिति एवं जिला कन्वर्जेंस समिति के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

प्रखर मऊ। मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रशांत नागर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पोषण अभियान के अंतर्गत जिला पोषण समिति एवं जिला कन्वर्जन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में पोषण अभियान मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2023 की मुख्य थीम सात बिंदुओं में निर्धारित की गई है। जिसमें प्रभावी स्तनपान व संपूरक आहार। स्वास्थ्य बाल स्पर्धा। पोषण भी पढ़ाई भी। मिशन लाइफ के माध्यम से पोषण में सुधार। मेरी माटी मेरा देश। जनजातीय केंद्रीय पोषण अभिमुखीकरण एवं एनीमिया स्तर में सुधार हेतु प्रशिक्षण, उपचार एवं संवाद है। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा एनीमिया स्तर में सुधार हेतु कैंप लगाने एवं मिशन लाइफ के माध्यम से पोषण में सुधार हेतु आंगनबाड़ी केंद्रों पर मॉडल वर्षा जल संचयन संरक्षण का निर्माण एवं कार्यशाला का आयोजन करने के निर्देश दिए।

जिसके माध्यम से महिलाओं को जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन तथा जल संचयन विषय पर जागरूक करने के भी निर्देश मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जितने भी कार्यक्रमों का आयोजन करे, उसमें जनप्रतिनिधियों को भी अवश्य आमंत्रित करें। उन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह में निर्धारित तिथियो में मुख्य थीम के आधार पर प्रत्येक कार्यक्रमो का आयोजन करने के साथ ही किए जा रहे कार्यक्रमों की फोटोग्राफ एवं वीडियो को निश्चित रूप से ऑनलाइन अपलोड करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर में निर्धारित 07 मुख्य थीम के अनुसार कार्यक्रम को पूर्ण करने के भी निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए। समीक्षा बैठक में परियोजनावार मेजरिंग एफिशिएंसी कि पिछले तीन माह में पोषण ट्रैक्टर की प्रगति में मोहम्मदाबाद गोहना एवं परदहां की स्थिति खराब होने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इसको सुधारने के सख्त निर्देश सी0डी0पी0ओ0 को दिए गए। संभव अभियान की समीक्षा के दौरान संभव रिपोर्ट कार्ड हेतु निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जनपद स्तर पर कम प्राप्तिवो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने इसमें तेजी लाते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शीघ्र ही सारे कार्य पूर्ण करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ब्लॉक स्तर पर संबंधित एएनएम एवं सीडीपीओ के साथ बैठक कर सारे फीडिंग कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। वेइंग एफिशिएंसी के सापेक्ष परियोजनावार चिन्हित सैम,मैम तथा कम वजन के बच्चों में विकास खंड परदहां की सबसे खराब प्रदर्शन पर उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को इसे सुधार करने को कहा। बैठक के दौरान ही मुख्य विकास अधिकारी ने 7 केंद्रों के अपग्रेडेशन की स्थिति,एनीमिया मुक्त भारत की अद्यतन स्थिति, ब्लाक बार एनआरसी एडमिशन की स्थिति, पिछले 3 महीनों के दौरान एनआरसी प्रवेश और बेड ऑक्यूपेंसी रेट ट्रेंड की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार समस्त सीडीपीओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मरदह पुलिस ने किया चोरी व सेंधमारी से संबंधित अभियुक्तों को गिरफ्तारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में मंगलवार को थाना स्थानीय के मु0अ0सं0- 162/23 व मु0अ0सं0- 167/23 धारा 457/380 भादवि मे चोरी गयी सामानो के साथ मुखबिरी खास की सूचना पर बरही से बद्दोपुर मार्ग पर मगहा पुलिया के पास से अभियुक्तगण अन्नू उर्फ संजीश पुत्र रामाश्रय राम निवासी ग्राम महुआरी थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर तथा सोनू पुत्र डब्बू राम निवासी ग्राम केलही थाना मरदह जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से उक्त मुकदमें से सम्बन्धित चोरी गया सामान बरामद हुआ है। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध मे मौके पर फर्द बरामदगी व गिरफ्तारी तैयार किया गया है। गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण को मय बरामद शुदा माल के थाना लाकर दाखिल किया गया है, जिसमें विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक विवेक कुमार पाठक थाना मरदह, उप निरीक्षक अवधेश राय थाना मरदह, कांस्टेबल सत्येन्द्र कुमार थाना मरदह, कांस्टेबल दिलीप कुमार थाना मरदह कांस्टेबल विकाश भारती थाना मरदह जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

पिंडरा ब्लॉक के विभिन्न संकुलों में हुई बैठक, दिए टिप्स

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के 14 न्यायपंचायत में मंगलवार को शिक्षक संकुल की बैठक हुई। जिसमे शिक्षा महानिदेशक के आदेश के क्रम में माह सिंतम्बर से दिसम्बर के बीच सभी विद्यालयों को निपुण करने के कार्यक्रम के बाबत विस्तृत चर्चा हुई। पिंडरा न्यायपंचायत की बैठक कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिंडरा में हुई। जिसमे निपुण बनाने के लिए 5 पॉइंट व्यू पर कार्य करने तथा डिजिटल संदर्शिका से कक्षा संचालन, निपुण संदर्शिका का अवलोकन करने पर जोर देने का शिक्षण स्तर को अधिगम स्तर पर ले जाने पर चर्चा हुई। इस दौरान शिक्षक संकुल अखिलेश मिश्रा, बृजलाल यादव, सुरेंद्र सिंह, अरविंद वर्मा व राजीव सिंह रहे। फूलपुर न्यायपंचायत की संकुल की बैठक सुरही स्थित प्राथमिक विद्यालय में हुई। जिसमे शिक्षकों को अच्छे शिक्षण का टिप्स एआरपी अजय सिंह व कमलेश कुमार ने दिया। इसके अलावा भानपुर, गरथमा, बाबतपुर, सिंधोरा समेत 14 न्यायपंचायत में बैठक हुई। जिसमे रागिनी सिंह, मायाशंकर, कल्पना गुप्ता, मोहन पाल, डॉ अशोक पाल व रचना श्रीवास्तव समेत शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत परदहा ब्लॉक के सभागार में लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र किया गया वितरित

प्रखर मऊ। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल ने कहा की जिन लोगों को अपने सपनों का पक्का मकान मिला है उन्हें बधाई देती हूं यह घर आपके बेहतर भविष्य का नया आधार है। यहां से आप अपने नए जीवन की शुरूआत करें और परिवार को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएं। ऐसे परिवार आगे बढ़ेंगे तो देश व प्रदेश आगे बढेगा। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत बने मकानों में शौचालय, नल से जल, गैस एवं बिजली कनेक्शन जैसी सुविधाओं के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार जनहितकारी योजनाओ को जन जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। अब प्रदेश में गरीबों को खुले आसमान में अपने कुटुंब के साथ नही रहना पड़ेगा। हर गरीब का अपना पक्का घर होगा जिसमे वो अपने परिवार के साथ सुरक्षित रहेगा। जिलाध्यक्ष ने कहा की हर व्यक्ति की इच्छा होती है उसका अपना घर हो और उसके बच्चों का जीवन खुशहाल हो। सरकार का प्रयास है कि ऐसे लोगों की हर संभव मदद की जाए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद को अपना घर देना भी गरीबी से निकालने की पहली सीढ़ी है इसलिए अंत्योदय अभियान में सबसे गरीब व्यक्ति का उत्थान करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दिशा में सरकार प्रदेश के हर गरीब का अपना घर बनवाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इस अवसर पर खंड विकास अधिकार सरिता गुप्ता, रामाश्रय मौर्य कृष्ण कांत राय संजय मौर्य मयंक मद्धेशिया अवधेश सोनकर आकाश मल्ल एवं अन्य सैकड़ों लोग व लाभार्थी उपस्थित रहे।

कोषागार के कर्मचारी संघ का हुआ चुनाव

प्रखर मऊ। निदेशक कोषागार उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के क्रम में आज उत्तर प्रदेश कोषागार कर्मचारी संघ मऊ की नई कार्यकारिणी के गठन हेतु बैठक की गई। जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर आगामी 1 वर्ष के लिए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। चुनाव में सत्येंद्र कुमार यादव अध्यक्ष, राजीव कुमार गोंड़ महामंत्री, अबुजर अंसारी उपाध्यक्ष, संजय कुमार सिंह कोषाध्यक्ष, प्रदीप कुमार संगठन मंत्री एवं राजेश सिंह संरक्षण के पद पर चुने गए।

शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे योगदान के लिए डॉक्टर आबिद खान को किया गया सम्मानित

प्रखर खेतासराय जौनपुर। मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल के मैनेजर इन दिनों लगातार अवार्ड से सम्मानित हो रहे हैं इसी क्रम में मंगलवार को नई दिल्ली में इंडिया स्कूल अवार्ड कार्यक्रम में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में मोहम्मद आबिद खान को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल दिन पर दिन रचता जा रहा है इतिहास आये दिन कोई न कोई उपलब्धियाँ स्कूल के अच्छे कार्य के लिए उपाधि के रूप में मिल रही है। अभी एक दिन पूर्व में ही डा.आबिद खान को बेस्ट एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है जब आप शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे योगदान देगें तो आपको इसका फल अवश्य मिलेगा मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल,आलिया गर्ल्स कालेज,अपोलो पैरामेडिकल जैसे शैक्षिक विद्या के मन्दिर ग्रामीण क्षेत्र में खुल जाने सेजो भी बहन बेटिया बाहर नहीं जा पाती थी शिक्षा हासिल करने के लिए आज उन्हें वही सुविधा उनके करीब के गाँव में मिल रही है।

Entertainment News

चिरंजीवी संग रोमांस करेगी प्रभास की हीरोइन अनुष्का शेट्टी

साउथ फिल्म अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी तेलुगु इंडस्ट्री की टॉप पेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आती हैं। बाहुबली में देवसेना का किरदार निभाने के बाद अदाकारा की पॉपुलेरिटी नॉर्थ इंडिया तक पहुंच चुकी है। हालांकि बाहुबली 2 के बाद अदाकारा अनुष्का शेट्टी दोबारा हिंदी दर्शकों के बीच नहीं पहुंच पाई हैं। इस बीच उनकी कोई बड़ी मूवी नहीं आई। और जो आई भी वो तेलुगु सिनेमा में ही सिमट कर रह गई। टॉलीवुड में भी अनुष्का शेट्टी बाहुबली के बाद किसी और बड़ी फिल्म में नजर नहीं आई। उनकी इक्का-दुक्का सामने आई फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर वैसा जलवा नहीं दिखाया जैसा कि उनके फैंस को उनसे उम्मीद है। अब इस बीच अदाकारा को लेकर एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है।खबर है कि अदाकारा अनुष्का शेट्टी जल्दी ही साउथ के मेगा स्टार चिरंजीवी की अपकमिंग मूवी में नजर आ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेगा स्टार की अपकमिंग फिल्म के लिए अदाकारा अनुष्का शेट्टी के नाम पर विचार किया जा रहा है। अगर अनुष्का शेट्टी इस फिल्म के लिए हां कहती हैं तो ये दोनों सितारे पहली बार ऑन स्क्रीन दिखेंगे। हालांकि इस खबर से फैंस खुश कम और निराश ज्यादा हैं। दरअसल, मेगा स्टार चिरंजीवी खुद लंबे वक्त से एक अदद हिट फिल्म की तलाश में हैं। बीते कुछ सालों में उनकी जितनी भी फिल्में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर सकीं। उनकी पिछली रिलीज मूवी आचार्य और गॉडफादर भी बुरी तरह फ्लॉप हुई थीं।

ऐसे में अनुष्का शेट्टी का चिरंजीवी के साथ किसी फिल्म में जुड़ना और परेशान कर देने वाला है।

गणेश उत्सव के शुभ मुहूर्त पर उर्फी ने मंदिर में रचाई शादी

फैशन सेंसेशन उर्फी जावेद का गणेश चतुर्थी के मौके पर लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर सामने आ गया है। हालांकि इस बार उर्फी की तस्वीरों को देखकर हर कोई उनकी शादी के कयास लगाने पर मजबूर हो रहा है। दरअसल, गणेश उत्सव के शुभ मौके पर उर्फी ट्रेडिशनल अंदाज में प्रतीक सहजपाल के साथ मंदिर के बाहर स्पॉट हुई। उस दौरान सुर्ख दुल्हन जैसे लिबास और लुक में उर्फी को देखकर हर कोई उनकी शादी के चर्चे कर रहा है। हालांकि आपको बता दें कि ऐसे नहीं है। उर्फी और प्रतीक गणेश पूजा के लिए मंदिर में पहुंचे थे और इस दौरान उन्हें पैपराजी ने स्पॉट किया और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर मिनटों में वायरल हो गई हैं। उर्फी जावेद की इस दौरान की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। इस दौरान उर्फी ने अपने इस लुक को अतरंगी टच देने के लिए आई एसेसीरी कैरी की थी। उर्फी की ये एसेसीरी चश्मे के फ्रेम लुक की थी। इस एसेसीरीज को भगवान के मुकुट की तरह सजाया गया था। इसके साथ ही हसीना ने मंदिर के बाहर आकर गणपति बप्पा मोरया का जयकारा भी लगाया। उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने एक से बढ़कर बोल्ड वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। उर्फी जावेद के फैंस को उनके लुक्स का काफी बेसब्री से इंतजार रहता है।

ससुराल की फैशन पुलिस है कटरीना कैफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ और विक्की कौशल की जोड़ी बी-टाउन की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक है। सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों साथ में तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। दोनों की तस्वीरें उनके फैंस को बेहद पसंद आती हैं। विक्की और कटरीना दोनों का अलग-अलग फैशल सेंस है। दोनों

को रेड कार्पेट पर अपने-अपने शानदार फैशन सेंस के साथ देखा जाता है। हालांकि, हाल ही में एक खास बातचीत के दौरान विक्की कौशल ने इस बात का खुलासा किया है कि कटरीना उनके लिए फैशन पुलिस का किरदार निभाती हैं।

कटरीना करती हैं विक्की के फैशन पर सवाल

विक्की कौशल के मुताबिक, उनके परिवार में कटरीना फैशन पुलिस का रोल निभाती हैं। कटरीना अक्सर पहनावे को लेकर उनसे सवाल पूछती रहती हैं, जैसे आपने क्या पहना है, ये क्यों पहना है। वहीं, जब कपड़ों की बात आती है तो विक्की की अलमारी में ज्यादा कपड़े नहीं होते, वह चार शर्ट, चार टी-शर्ट और चार जोड़ी डेनिम तक ही रखते हैं। विक्की ने बताया कि उनके फैशन को देखते हुए कटरीना ने उनके फैशन को बदलने की कोशिश ही छोड़ दी।

परिणीति चोपड़ा

Bollywood Update

परिणीति -राघव की शादी से पहले बराती और घराती के बीच होगा क्रिकेट मैच

बॉलीवुड स्टार परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर काफी चर्चा में हैं। परिणीति और राघव जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। अभी हाल ही में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी का कार्ड भी वायरल हुआ था। जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। अब इसके बाद परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी से जुड़ा नया अपडेट सामने आ रहा है। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी के प्री वेडिंग फंक्शंस में एक ऐसी चीज को जोड़ा गया, जिसे जानने के बाद आप भी हैरान हो जाएंगे।

दो परिवारों के बीच खेला जाएगा मैच

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि इन दोनों की शादी 24 सितंबर 2023 को उदयपुर में होने वाली है। इसके बाद प्री वेडिंग फंक्शंस को लेकर भी कई खबरें सामने आई थी, जो दिल्ली में होने है। इसी बीच अब परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी से पहले एक बड़ी खबर सामने आ रही हैं। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की फैमली के बीच एक क्रिकेट मैच खेला जाएगा। कपल की फैमली के साथ-साथ दोस्त भी इस मजेदार एक्टिविटी का हिस्सा होने वाले हैं। इसके अलावा भी कई मजेदार एक्टीविटिज की प्लानिंग की जा रही है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि परिणीति और राघव दोनों की ही क्रिकेट के फैन है।

शाहरूख की जवान फिल्म ने तोड़े कई बड़े रिकॉर्ड्स

शाहरुख खान की फिल्म जवान ने की रिकॉर्डतोड़ कमाई की है। फिल्म गदर 2 और पठान के भी कई रिकॉर्ड्स तोड़ चुकी है। बड़े परदे पर जवान की बादशाहत अभी भी बनी हुई है। फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में है और फिल्म ने रिलीज के 10वें दिन वर्ल्डवाइड 800 करोड़ की कमाई के आंकड़े तक लगभग पहुंच गई। कल मन्नत से शाहरुख खान की फैंस का अभिवादन भी किया। बात अगर सिर्फ घरेलू कमाई के आंकड़ों की करें तो किंग खान की फिल्म जवान ने 11 दिनों में कुल 475.78 करोड़ रूपये की कमाई

कर ली है। फिल्म ने कमाई के मामले में सभी हिन्दी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 11वें दिन के कलेक्शन के मामले में फिल्म गदर 2 और पठान से आगे निकल चुकी है। कुछ दिन पहले मुंबई में जवान की सक्सेस पार्टी भी हुई, जिसमें किंग खान के अंदाज ने एक बार फिर फैंस का दिल जीत लिया।शाहरुख खान की फिल्म जवान 7 सितम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म थियेटर्स में रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है। जवान का क्रेज सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि ग्लोबली भी सभी के सिर पर चढ़ कर बोल रहा है।

शिव ठाकरे ने किया पुलिस वाले बप्पा का स्वागत

गणेश चतुर्थी नजदीक है और ऐसे में देश भर के लोगों में इस त्योहार को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। बॉलीवुड सितारों से लेकर छोटे पर्दे के एक्टर तक इस त्योहार को धूमधाम से मना रहे हैं। बिग बॉस और

खतरों के खिलाड़ी फेम शिव ठाकरे ने बीते दिन अपने घर पर बप्पा का स्वागत किया है। शिव ठाकरे इस बार गणेश चतुर्थी पर अपने घर पुलिस थीम वाले बप्पा लेकर आए हैं और उन्होंने ऐसा करके मुंबई पुलिस को ट्रिब्यूट दिया है। शिव ठाकरे और पुलिस थीम वाले बप्पा के कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं। शिव के कुछ फैंस को यह बप्पा पसंद आए, तो वहीं कुछ लोग उनसे नाराज भी हो गए।

हाथ में गन लिए पुलिस वाले बने बप्पा

शिव ठाकरे ने अपने घर पर बप्पा का शानदार स्वागत किया। उनके कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि शिव बप्पा का पर्दा उठाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद उन्होंने बप्पा के हाथ में गन भी थमाई।

इस पूरे उत्साह में उनके साथ मुंबई पुलिस के 50 पुलिस वाले भी मौजूद रहे। सभी शिव के साथ इस जश्न में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही शिव ठाकरे के पुलिस वाले बप्पा का ये वीडियो वायरल हुआ। तभी से लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया देने लग गए। शिव के यह गणपति उनके कुछ फैंस को पसंद आए, तो कुछ इन्हें देख कर नाराज हो गए।

शादी के बाद इस एक्ट्रेस की चमकी किस्मत

कहते हैं कि लाइफ पार्टनर अगर आपकी जिंदगी में पॉजिटिव बदलाव लाए, तो इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। यही हुआ है एक्ट्रेस सोनाली सहगल के

साथ। शादी कई लोगों की किस्मत चमका देती है। कुछ महीने पहले एक्ट्रेस सोनाली सहगल ने अपने निजी जीवन में बड़ा कदम उठाते हुए लंबे समय के बॉयफ्रेंड अशेष सजनानी से शादी कर ली थी। आमतौर पर यह कहा जाता है कि दुल्हन दूल्हे के लिए सौभाग्य लेकर आती है, लेकिन सोनाली के मामले में उलटा हुआ है। लाइफ पार्टनर के जिंदगी में आने से सोनाली की किस्मत पलटी है और उन्हें एक साथ एक प्रोडक्शन हाउस की तीन फिल्में ऑफर हुईं। साफ है कि एक्ट्रेस ने यह ऑफर लपकने में देर नहीं की और तीनों फिल्में साइन कर लीं। सोनाली को प्यार का पंचनामा और जय मम्मी दी जैसी फिल्मों से बॉलीवुड दर्शकों के बीच पहचान मिली। खबर है कि हाल में जियो स्टूडियोज ने सोनाली के साथ 3 फिल्मों का कॉन्ट्रेक्ट किया है। तीनों फिल्में अलग-अलग तरह की है और इनमें सोनाली के रोल इंट्रेस्टिंग हैं। सोनाली के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया है कि लाइफ पार्टनर के जिंदगी में आने के बाद सोनाली ने जियो स्टूडियोज के साथ 3 फिल्मों की डील साइन की है। इनमें से पहली फिल्म रोमांटिक हॉरर फिल्म असेक थी, जो जून में रिलीज हुई थी। यह शादी के बाद सोनाली की पहली रिलीज थी। अब, उनके पास पाइपलाइन में 2 और दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही की जाएगी।

ये हैं ओटीटी की सबसे महंगी हीरोइन

आजकल दर्शको पर ओटीटी का खुमार चढ़ा हुआ है। फैंस अपने चहेते सितारों को ओटीटी पर देखना चाहते हैं। सितारे भी ओटीटी का ही रुख कर रहे हैं। कई स्टार्स ओटीटी डेब्यू भी कर रहे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ओटीटी पर सबसे मंहगी एक्ट्रेस कौन है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं ओटीटी पर सबसे ज्यादा फीस करने वाली एक्ट्रेस के बारे में। चलिए जान लेते हैं।

राधिका आप्टे

ओटीटी पर सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस की बात की जाए तो इस लिस्ट में पहले नंबर पर राधिका आप्टे आती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ओटीटी पर एक प्रोजेक्ट के लिए राधिका आप्टे 4 करोड़ चार्ज करती हैं।

सुष्मिता सेन

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर सुष्मिता सेन हैं। हाल ही में एक्ट्रेस आर्या और ताली में नजर आई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस एक प्रोजेक्ट के लिए 2 करोड़ फीस लेती हैं। वहींस तीसरे नंबर पर साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि है। रिपोर्ट के अनुसार ओटीटी पर एक एपिसोड के लिए एक्ट्रेस 10 लाख चार्ज करती हैं।

सामंथा रुथ

चौथे नंबर पर लिस्ट में सामंथा रुथ प्रभु है। रिपोर्ट के अनुसार ओटीटी पर एक एपिसोड के लिए अभिनेत्री 8 लाख रुपये लेती है। इस लिस्ट में पांचवे नंबर पर गौहर खान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री ओटीटी पर एक एपिसोड के लिए 3 लाख चार्ज करती हैं।

फैंस के दिलों पर राज करती है अभिनेत्रियां

ये हैं ओटीटी की सबसे महंगी अभिनेत्रियों की लिस्ट, जो ओटीटी पर इतनी ज्यादा फीस लेती है। साथ ही अपनी अदाकारी से दर्शकों को भी अपना दीवाना बना लेती है।

संक्षिप्त खबरें

गजप्रोमनेफ्ट-लुब्रिकेंट्स एनसो ग्लोबल पार्टनर बने

नई दिल्ली। गज़प्रोमनेफ्ट-लुब्रिकेंट्स और एनसो ग्लोबल ट्रेडिंग ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र में लट्यूब्रिकेंट एसेट्स के वितरण को व्यापक बनाने के लिए एक रणनीतिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी सक्रिय रूप से विकसित हो रहे भारतीय बाजार में बिक्री के लिए बेस, मोटर, हाइड्रोलिक व गियरबॉक्स ऑइल की नियमित आपूर्ति प्रदान करती है। एनसो ऑयल्स एंड लुब्रिकेंट्स, एनसो ग्रुप की एक अग्रणी सहायक कंपनी, गज़प्रोमनेफ्ट-लुब्रिकेंट्स के उच्च गुणवत्ता वाले तेल, ल्युब्रिकेंट और तकनीकी तरल पदार्थो के आयात और वितरण में विशेषज्ञ होगी।

डीआईपीए के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर एसोसिएशन (डीआईपीए) ने समिट डिजिटल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ धनंजय जोशी को चेयरमैन नियुक्त किया है। जोशी इस पद पर भारती एंटरप्राइजेज के चेयमैन अखिल गुप्ता का स्थान लेंगे। गुप्त 2011 से दूरसंचार उद्योग से जुड़े इस निकाय के चेयरमैन हैं। बयान के अनुसार, डीआईपीए ने अमेरिकन टावर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी संदीप गिरोत्रा को एसोसिएशन का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया है। जोशी और गिरोत्रा एक अक्टूबर 2023 को अपना-अपना पदभार ग्रहण करेंगे।

फ्रेस्का का मैंगो जूस लांच

नई दिल्ली। पेय पदार्थ फ्रेस्का जूस ने अपना नया उत्पाद फ्रेस्का गोल्ड आम का रस लांच करने की आज घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि लगातार हलचल भरे भारतीय बाजार में इस उत्पाद के साथ धूम मचाने की तैयारी है। अल्फांसो आम के स्वाद के साथ 200 मिलीलीटर का एसेप्टिक पैक वाला फे्रस्का गोल्ड आम का रस उतरा गया है। दरअसल, भारत का फ्रूट ड्रिंक एवं फ्रूट जूस मार्केट 15 हजार करोड़ रुपये का है। कंपनी ने कहा कि वह सिर्फ नाम के लिए इस बाजार में नहीं है बल्कि वह यहां अपनी अलग पहचान बनाने आई है।

ईएमआई पर मिलेगा आईफोन

नई दिल्ली। क्रोमा स्टोर्स ने अपने ग्राहकों के लिए सिर्फ 2,000 रुपये में आईफोन 15 सीरीज की प्री-बुकिंग करने का ऐलान किया है साथ ही फोन की डिलीवरी वाले दिन पूरा भुगतान करने का विकल्प पेश किया है। इसके अलावा बुकिंग धनराशि के भुगतान के बाद शेष सारा भुगतान 24 माह की ईएमआई के जरिए करने की सुविधा भी पेश की है। क्रोमा पर 22 सितम्बर 2023 से न्यूफोरिया आईफोन 15 सीरीज़, एपल वाच सीरीज़ 9 और एपल वॉच अल्ट्रा 2 सभी उपलब्ध होंगे। मुंबई, पुणे और सूरत के सभी ग्राहकों द्वारा 15 से 18 सितम्बर के बीच क्रोमा स्टोर्स और क्रोमा डाट कॉम से अपने आईफोन 15 सीरीज की प्री-बुकिंग करने पर इनाम जीतन का मौका भी दिया गया।

टोयोटा के नए उत्पाद

जम्मू। टीकेएम ने नार्थ टेक सिम्पोजियम 2023 (एनटीएस) में विशेष उद्देश्य वाले दो उत्पाद आइकॉनिक हाइलक्स का प्रदर्शन किया। इन्हें एक अधिकृत बाहरी विक्रेता के सहयोग से संशोधित किया गया है। यह टेक्नालॉजी प्रदर्शित करने का वार्षिक आयोजन है। इसका आयोजन भारतीय सेना के उत्तरी कमांड ने किया था। इसमें उसे सोसाइटी आफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और आईआईटी जम्मू का सहयोग मिला। आयोजन का उद्देश्य अत्याधुनिक स्वदेशी विकास और रक्षा तकनीकी क्षमताओं के उत्पादन को बढ़ावा देना है।(एजेंसियां)

नए संसद भवन में 50 फीसद से अधिक होगी बिजली की बचत

■ नए भवन में कम ऊर्जा खपत वाले उत्पादों का हुआ है इस्तेमाल ■ बिजली खपत घटाने के लिए लगाए गए हैं कई तरह के सेंसर

मुंबई (भाषा)।

नए संसद भवन की रोशनी व्यवस्था में ऊर्जा दक्षता प्रमुख केंद्र रहेगी और इससे पारंपरिक प्रणाली की तुलना में बिजली की खपत 50 प्रतिशत कम होगी। उद्योग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नए संसद भवन का उद्घाटन इस साल मई में किया गया था। मंगलवार से इसमें पहला सत्र आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि इसमें बहुत सारी अनुकूलित प्रकाश व्यवस्था और यहां तक कि झूमर भी लगे हैं।

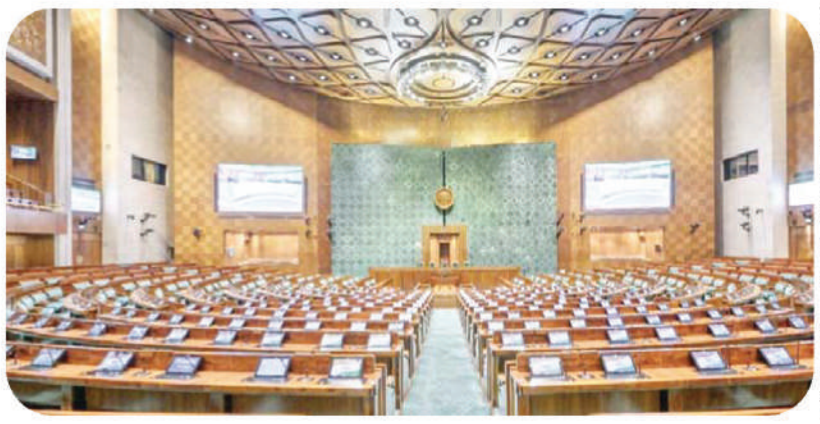

पैनासोनिक लाइफ सोल्यूशंस के कारोबार समूह प्रमुख-लाइटिंग प्रभाग राजा मुखर्जी ने कहा, 'हम ऐसे उत्पाद मुहैया कर रहे हैं, जो बेहद ऊर्जा कुशल हैं। हमने उत्पादों के साथ सेंसर को जोड़ा है और इससे इसका पूर्ण समाधान भी मिला।' उन्होंने कहा कि इसमें डेलाइट इंटिग्रेशन सेंसर और मोशन ऑक्यूपेंसी सेंसर हैं, जो कुल ऊर्जा बचत में इजाफा करते हैं।

पैनासोनिक ने प्रकाश नियंत्रण पहलू पर काम किया है, न कि संपूर्ण प्रकाश व्यवस्था पर। मुखर्जी ने कहा, 'पारंपरिक प्रणाली से हटकर जब आप एलईडी का इस्तेमाल करते हैं, तो आप पहले से ही करीब 50 प्रतिशत ऊर्जा बचाते हैं और इसके अलावा इन नियंत्रणों के साथ आप 15-20 प्रतिशत तक अतिरिक्त ऊर्जा बचा सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि प्रणाली पर काम पूरा हो चुका है, लेकिन 'साइट' को अभी आधिकारिक तौर पर सौंपा जाना बाकी है।

विमानन नियामकों के लिए एकीकृत कार्यालय परिसर का उद्घाटन

नई दिल्ली (भाषा)।

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को राजधानी दिल्ली में विमानन क्षेत्र के विभिन्न नियामकों के एकीकृत कार्यालय परिसर का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित एकीकृत कार्यालय परिसर 'उड़ान भवन' में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), हवाई अड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए), विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के कार्यालय हैं।

रुपया अब तक के निचले स्तर पर

■ डालर के मुकाबले 13 पैसे टूट कर 83.29 पर आया

नई दिल्ली (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपये में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और यह 13 पैसे और टूटकर 83.29 (अस्थायी) प्रति डालर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य मुद्राओं की तुलना में डालर के मजबूत होने से रुपये की धारणा कमजोर हुई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.09 के भाव पर खुला। कारोबार के दौरान यह 83.09 से लेकर 83.30 प्रति डालर के दायरे में रहने के बाद अंत में 83.29 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 83.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डालर की स्थिति को दर्शाने वाला डालर सूचकांक 0.11 प्रतिशत गिरकर 105.20 रह गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.32 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि छुट्टी से पहले जोखिम-प्रतिकूल भावनाओं और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बाद रुपया एक और रिकार्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में दर्ज की गई 242 अंक की गिरावट

मुंबई (भाषा)।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच निवेशकों के सतर्क रहने से स्थानीय शेयर बाजार में जारी रिकार्ड तेजी का सिलसिला सोमवार को थम गया और दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 241.79 अंक यानी 0.36 प्रतिशत कमजोर होकर 67,596.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 305.8 अंक तक गिरकर 67,532.83 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 59.05 अंक यानी 0.29 प्रतिशत घटकर 20,133.30 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बीएसई में पिछले 11 कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। यह अक्टूबर, 2007 के बाद इसमें तेजी का सबसे लंबा दौर है। इस दौरान सेंसेक्स बीते शुकवार को अपने उच्चतम स्तर 67,838.63 अंक पर बंद हुआ था।

निफ्टी ने भी पिछले कारोबारी सत्र में 20,192.35 का अपना नया शिखर हासिल किया था। सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, विप्रो, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

LIC कर्मचारियों व एजेंट की ग्रेच्युटी व पेंशन बढ़ी

■ ग्रेच्युटी की सीमा पांच लाख रुपए हुई ■ पहले तीन लाख रुपए थी यह सीमा

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्रालय ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के एजेंट और कर्मचारियों के लाभ के लिए ग्रेच्युटी सीमा तथा पारिवारिक पेंशन में वृद्धि सहित कई कल्याणकारी उपायों को सोमवार को मंजूरी दे दी।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, ये कल्याणकारी उपाय एलआईसी (एजेंट) विनियम 2017 में संशोधन, ग्रेच्यूटी सीमा में वृद्धि तथा पारिवारिक पेंशन की समान दर आदि से संबंधित है। बयान में इसका विवरण साझा करते हुए कहा गया कि मंत्रालय ने एलआईसी एजेंट के लिए ग्रेच्यूटी सीमा को तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने को मंजूरी दे दी है, जिसका मकसद उनके लिए कामकाजी परिस्थितियों तथा लाभ में पर्याप्त सुधार लाना है।

इससे फिर नौकरी पर रखे गए एजेंट के नवीनीकरण कमीशन के तहत पात्र होने का भी प्रावधान है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिरता में सुधार होगा। वर्तमान में एलआईसी एजेंट पुरानी एजेंसी के तहत पूरे किए गए किसी भी कार्य के आधार पर नवीनीकरण कमीशन के लिए पात्र नहीं है। बयान के अनुसार, एजेंट के सावधि बीमा कवर की मौजूदा सीमा 3,000-10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000-1,50,000 रुपये कर दी गई है। सावधि बीमा में इस वृद्धि से वे एजेंट जो अब इस दुनिया में नहीं है उनके परिवारों को काफी फायदा होगा। इससे उन्हें अधिक महत्वपूर्ण कल्याणकारी लाभ मिलेगा।

■ जिन एजेंटों का निधन हो चुका है उन के परिजनों को होगा इस नियम का फायदा
■ एजेंट के सावधि बीमा कवर को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए किया गया
■ एलआईसी कर्मियों को 30 फीसद की समान दर पर मिलेगी पारिवारिक पेंशन

कर्मचारियों के संबंध में मंत्रालय ने परिवारों के कल्याण के लिए 30 प्रतिशत की एक समान दर पर पारिवारिक पेंशन को भी मंजूरी दी है। 13 लाख से अधिक एजेंट और एक लाख से अधिक नियमित कर्मचारी इन कल्याणकारी उपायों से लाभान्वित होंगे।

तुर्किये में टेस्ला का संयंत्र लगाएंगे मस्क

■ मस्क ने न्यूयार्क में तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान से की मुलाकात

इस्तांबुल (एपी)। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान ने इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से न्यूयार्क में मुलाकात की और उनसे तुर्किये में एक कारखाना स्थापित करने को लेकर चर्चा की।

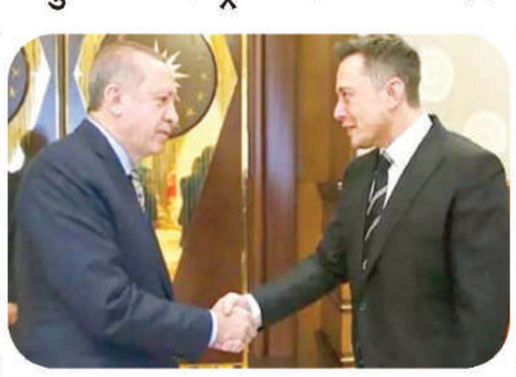

एर्दोगान संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका में हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान अनुसार, मस्क की अंतरिक्ष अन्वेषण कंपनी स्पेसएक्स और तुर्किये के अंतरिक्ष कार्यक्रम के बीच संभावित सहयोग पर भी चर्चा की गई। बयान में कहा गया, एर्दोगान ने मस्क से कहा कि तुर्किये कृत्रिम मेधा और स्पेस एक्स की उपग्रह इंटरनेट सेवा स्टारलिंक पर सहयोग का स्वागत करेगा। वहीं मस्क ने कहा कि स्पेस एक्स तुर्किये में स्टारलिंक की पेशकश के लिए आवश्यक लाइसेंस हासिल करना चाहता है।

बैठक में शामिल हुए तुर्किये के उद्योग एवं प्रौद्योगिकी मंत्री मेहमत फातिह कासिर ने कहा कि मस्क ने तुर्किये को 'टेस्ला निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण उम्मीदवारों में से एक' बताया।

यात्रा के आईपीओ को दूसरे दिन 30% अभिदान

नई दिल्ली (भाषा)।

यात्रा से जुड़ी कंपनी यात्रा ऑनलाइन के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के दूसरे दिन सोमवार को 30 प्रतिशत अभिदान मिला है।

एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 775 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत कंपनी के 3,09,42,356 शेयरों की पेशकश पर कुल 94,27,005 शेयर के लिए बोलियां मिली है। आंकड़ों के अनुसार, गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को नौ प्रतिशत, वहीं खुदरा व्यक्तिगत निवेशक श्रेणी को 1.34 गुना अभिदान मिला है। पात्र संस्थागत निवेशकों के हिस्से को छह प्रतिशत अभिदान मिला है।

बहुत तेजी से बढ़ रही है भारतीय अर्थव्यवस्था

■ अमेरिकी कंपनी हनीवेल ने की भारत की सराहना

■ कहा, भारत में हैं हमारे अधिकतर इंजीनियर व वैज्ञानिक

शिकागो (भाषा)।

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी हनीवेल के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ रही है और देश टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है।

■ टिकाऊ तकनीकों में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है भारत
■ कहा, हनीवेल द्वारा विकसित हर तकनीक पर काम कर रहा है भारत

हनीवेल के कार्पोरेट मुख्य वैज्ञानिक (सतत प्रौद्योगिकी) गेविन टॉवलर ने कहा, 'भारत में अब कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां वास्तव में नवीकरणीय ऊर्जा का स्तर बहुत अधिक है और जीवाश्म ईंधन का स्तर बहुत कम है। मुझे लगता है कि भारत सतत प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने के लिए तैयार है।' नवम्बर 2021 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (सीओपी 26) के 26वें सत्र में भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य हासिल करने के अपने लक्ष्य की घोषणा की।

टॉवलर ने एक कार्यक्रम से इतर कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अब भी अपेक्षाकृत छोटी है और बहुत तेजी से बढ़ रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हनीवेल वर्तमान में हरित हाइड्रोजन के विद्युत अपघटन के लिए इस प्रौद्योगिकी की आपूर्ति के लिए भारत में कई निर्माताओं के साथ चर्चा कर रहा है।

टॉवलर ने कहा, 'वास्तव में हमारे अधिकतर वैज्ञानिक और इंजीनियर भारत में हैं। मैं कह सकता हूं कि हनीवेल द्वारा विकसित करीब हर प्रौद्योगिकी पर भारतीय टीम काम करती है, कुछ रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को छोड़कर इस पर काम किया जा सकता है।'

श्रम बाजारों पर खासा असर डालेगी कृत्रिम मेधा

■ रोजमर्रा के व बार-बार दोहराए जाने वाले काम से जुड़े रोजगार पर ज्यादा होगा इसका असर

रिपोर्ट

नई दिल्ली (भाषा)। जेनरेटिव कृत्रिम मेधा (एआई) रचनात्मकता को बढ़ाने और भविष्य की नौकरियों के लिए रोजमर्रा के कामकाज को स्वचालित करते हुए श्रम बाजारों पर खासा असर डालने वाली है। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह अनुमान पेश किया गया है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सोमवार को जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में भविष्य की नौकरियों पर एआई के प्रभाव के तौर-तरीकों का आकलन पेश किया गया है। डब्ल्यूईएफ ने इस श्वेत-पत्र में कहा कि कारोबार क्षेत्रों और सरकारों को श्रमबल पर पड़ने वाले एआई के प्रभाव को लेकर तैयारी करनी चाहिए और सक्रिय कदम उठाने चाहिए। डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट कहती है कि रोजमर्रा के काम और बार-बार दोहराए जाने वाले भाषाई कामकाज से जुड़ी नौकरियों पर इस व्यवधान का सबसे अधिक जोखिम है। वहीं उच्चस्तर के निजी संपर्क या शारीरिक हलचल से जुड़ी नौकरियों पर इन बदलावों का असर सबसे कम होगा। श्वेत पत्र कहता है कि 'विशाल भाषायी माडल' (एलएलएम) उन नौकरियों के लिए वरदान हो सकते है जिनमें इंजीनियरिंग, गणित एवं वैज्ञानिक विश्लेषण सहित महत्वपूर्ण सोच-विचार, जटिल समस्याओं के समाधान से जुड़े कौशल और रचनात्मकता की जरूरत होती है।

एलएलएम सीखने से जुड़ी गहन गणना-पद्धति है जो भाषा के प्रसंस्करण से जुड़े विभिन्न स्वाभाविक कार्यो को संपादित कर सकती है। एलएलएम में रूपांतरण माडल का इस्तेमाल किया जाता है और उन्हें बड़े पैमाने पर आंकड़ों के समूह के इस्तेमाल से प्रशिक्षित किया जाता है। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि एलएलएम उपकरण किसी भी व्यवसाय से जुड़े नियमित कार्यो को अधिक उत्पादक बनाकर और उनकी भूमिकाओं को अधिक फायदेमंद बनाते हुए श्रमिकों के लिए लाभदायक साबित हो सकते है।

इस अध्ययन में 867 विभिन्न पेशों से जुड़े ऐसे करीब 19,000 कार्यो का परीक्षण किया गया जो एलएलएम से प्रभावित हो सकते है। इससे पता चला कि वित्तीय सेवाओं और पूंजी बाजार के अलावा बीमा एवं पेंशन प्रबंधन उद्योग में जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल सबसे अधिक बढ़ने का अनुमान है।

छह फीसद से ज्यादा रहेगी वृद्धि दर

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर छह प्रतिशत से अधिक रहेगी क्योंकि देश बड़े वैश्विक झटकों के दौर में भी अपनी व्यापक आर्थिक स्थिरता और प्रदर्शन को मजबूत रखने में कामयाब रहा है। गोयल ने कहा, 'वैश्विक मंदी के कारण भारत की निर्यात वृद्धि कम हो रही है, भू-राजनीति कारणों से कारण तेल और खाद्य पदार्थो की कीमतें बढ़ रही है, और खराब मौसम परिस्थितियां भी ऐसे कुछ जोखिम है, जिनका देश सामना कर रहा है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में 23.51% की वृद्धि

नई दिल्ली (भाषा)।

चालू वित्त वर्ष में 16 सितंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.51 प्रतिशत बढ़कर 865117 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 700416 करोड़ रुपये की तुलना में 23.51 प्रतिशत अधिक है।

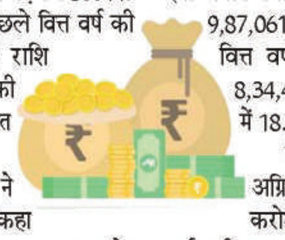

आयकर विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8,65,117 करोड़ रुपये में कारपॅरिट कर (सीआईटी) 4,16,217 करोड़ रुपये और प्रतिभूति लेनदेन कर सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) 447291 करोड़ रुपये रहा है। इस अवधि में प्रत्यक्ष कर का सकल संग्रह 9,87,061 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8,34,469 करोड़ रुपये की तुलना में 18.29 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अग्रिम कर संग्रह 3,55,481 करोड़ रुपये जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 2,94,433 करोड़ रुपये रहा था।

सोने में 180 रुपये की तेजी चांदी 400 रुपये मजबूत

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक बाजारों में सोने की कीमतों में उछाल के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 180 रुपये की तेजी के साथ 60,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,020 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। चांदी की कीमत भी 400 रुपये बढ़कर 74,400 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, 'सोमवार को सोने में तेजी आई, जहां विदेशी बाजारों में सकारात्मक कारोबार के बाद दिल्ली में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 180 रुपये बढ़कर 60,200 रुपये पर पहुंच गईं।'

फॉक्सकॉन का भारत में नौकरियां व निवेश होगा दोगुना

नई दिल्ली (भाषा)।

आईफोन विनिर्माता एपल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने अगले साल तक भारत में रोजगार व निवेश तथा कारोबार का आकार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह देश में उसकी सुचारू तथा तीव्र वृद्धि को रेखांकित करता है। कंपनी के एक कार्यकारी ने यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रविवार को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए फॉक्सकॉन के प्रतिनिधि वी ली ने अपने लिंक्डइन पोस्ट में लिखा, 'आपके नेतृत्व में फॉक्सकॉन ने भारत में सुचारू व तीव्र गति से वृद्धि की है।' प्रधानमंत्री मोदी रविवार को 73 वर्ष के हो गए।

ली ने कहा, 'हमने भारत में रोजगार, एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) और व्यापार के आकार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। अगले साल आपको जन्मदिन का एक बड़ा उपहार देने के लिए और अधिक मेहनत करेंगे।' इस महीने की शुरुआत में होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) यंग लियू ने कहा था कि भारत भविष्य में विनिर्माण के मामले में एक महत्वपूर्ण देश होगा।

■ फॉक्सकॉन के प्रतिनिधि वी ली ने पीएम मोदी को उनके जन्म दिन पर लिखे लिंक्डइन पोस्ट में बधाई देते हुए कहा, आपके नेतत्व में कंपनी ने भारत में दर्ज की तीव्र वृद्धि

गौरतलब है कि उनकी इस टिप्पणी को देश के साहसिक कदमों को वैश्विक कंपनियों द्वारा स्वीकार करने से जोड़कर देखा गया था। लियू ने कहा था, 'यदि कोई बड़ा बदलाव नहीं होता है, तो भविष्य में विनिर्माण की दृष्टि से भारत हमारे काफी महत्वपूर्ण बाजारों में होगा।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषित

पहले दो वनडे में केएल राहुल करेंगे कप्तानी

अश्विन की 18 महीने बाद वनडे में वापसी, पहले व दूसरे मैच में रोहित, विराट व हार्दिक को आराम

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 22 सिंतबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए सोमवार को भारतीय टीम की घोषणा की।

शुरुआती दो वनडे में रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को आराम दिया गया है। यह सभी तीसरे वनडे में खेलेंगे। पहले दो वनडे में नियमित कप्तान रोहित शर्मा की जगह केएल राहुल टीम की कमान संभालेंगे। रविंद्र जडेजा इस दौरान उपकप्तान होंगे। रोहित तीसरे वनडे में कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की वनडे टीम में वापसी हो गई है। स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को भी मौका मिला है। वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया की यह आखिरी सीरीज है, जो दोनों के लिए ड्रेस रिहर्सल होगी। ऋतुराज गायकवाड़ तीसरे वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि, भारत के लिए राहत की बात यह है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आगामी सीरीज में खेलेंगे। अय्यर एशिया कप 2023 में सिर्फ दो मैचों में मैदान पर उतर सके थे। इसके बाद, अय्यर पीठ में जकड़न के कारण अन्य मैचों में नहीं खेले। वहीं, अक्षर पटेल जांघ की मांसपेशी में खिंचाव की वजह से एशिया कप फाइनल में नहीं खेले थे। लेकिन वह तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इस मैच में अक्षर का चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारत ने रविवार को श्रीलंका को 10 विकेट से धूल चटाकर एशिया कप 2023 की ट्रॉफी अपने नाम की। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पांच मैचों की वनडे सीरीज में 2-3 से हार का मुंह देखना पड़ा। इस सीरीज में कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल और मिशेल स्टार्क जैसे धाकड़ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेले थे लेकिन यह सभी भारत के विरुद्ध सीरीज में नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलिया पहले ही भारत के खिलाफ सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर चुका है।

अश्विन ने जनवरी 2022 में द.अफ्रीका के खिलाफ खेला था आखिरी वनडे

गौरतलब है कि अश्विन करीब 18 महीने बाद वनडे टीम में लौटे हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध खेला था। अश्विन भारत के लिए 113 वनडे मैचो में 151 विकेट ले चुके हैं। रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अश्विन ने 100 से ज्यादा वनडे और टेस्ट खेले हैं। अगर वह हमारे लिए विकल्प हैं तो उन्हें होना चाहिए। हो सकता है कि उन्होंने काफी समय से यह प्रारूप नहीं खेला लेकिन उन्होंने काफी अच्छा क्रिकेट खेला है।

क्या वर्ल्डकप टीम में अश्विन को मिल सकती हैं जगह?

भारतीय टीम ने 5 सितंबर को वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी 15 सदस्यीयी टीम का ऐलान कर दिया था। हालांकि अभी भी टीमों के पास मौका है कि वह आईसीसी के नियम के मुताबिक, 28 सितंबर तक टीमें अपने वर्ल्ड कप स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं। ऐसे में अभी भी रविचंद्रन अश्विन को टीम में जगह मिल सकती है।

क्यों जरूरी है वर्ल्डकप में रविचंद्रन अश्विन: करीब डेढ़ साल से वनडे टीम से बाहर चल रहे रविचंद्रन अश्विन के नाम की चर्चा अचानक से वर्ल्ड कप के लिए होने लगी हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि टीम इंडिया इस बार भारत में ही वर्ल्ड कप खेल रही है और यहां पर टर्निंग पिच काम आ सकती है। सबसे अहम बात ये है कि अभी वर्ल्ड कप स्क्वॉड में कोई भी ऑफ स्पिनर नहीं है, जब टीम का ऐलान हुआ था तब भी इस पर सवाल खड़े हुए थे। टीम मैनेजमेंट एक ऐसे स्पिनर की तलाश में है, जो बल्लेबाजी भी कर सके। ऐसे में यदि कोई खिलाड़ी चोटिल होता हैं तो अश्विन उसकी जगह ले सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ अश्विन का वो मोमेंट हर किसी को याद है, जब हाई प्रेशर सिचुएशन में उन्होंने मोहम्मद नवाजज की बॉल को वाइड करार दिलवा दिया था और अंत में एक शॉट से टीम इंडिया को जीत दिला दी था। अश्विन जैसा मास्टरमाइंड प्लेयर सिर्फ प्लेइंग-11 ही नहीं बल्कि बेंच पर बैठकर भी आपको भरपूर सहयोग दे सकता है। वर्ल्ड कप में अश्विन ने 10 मैच 24.88 के औसत से 17 विकेट झटके हैं।

सीरीज का शेड्यूल

मैच	दिनांक	स्थान
पहला मैच	22 सितंबर	मोहाली
दूसरा मैच	24 सितंबर	इंदौर
तीसरा मैच	27 सितंबर	राजकोट

वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम

पहले दो वनडे के लिए टीम : केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद कृष्णा।

तीसरे वनडे के लिए के लिए टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

वर्ल्डकप से पहले शीर्ष वनडे टीम रैंकिंग की होड़ हुई तेज

भारत के पास तीनों प्रारूप में नंबर-1 बनने का मौका

दुबई,(एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत से पहले शीर्ष वनडे टीम बनने की होड़ में अगले कुछ दिनों में तेजी आएगी। एशिया कप हालांकि समाप्त हो गया है। पाकिस्तान एशिया कप 2023 में जल्दी बाहर होने और फाइनल में श्रीलंका पर भारत की प्रचंड जीत के बावजूद नंबर 1 स्थान पर कायम है। दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम सीरीज में 2-0 से आगे थी, इससे पहले मेजबान टीम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार तीन मैच जीतकर रविवार को सीरीज जीत ली।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइनल से पहले बांग्लादेश से हार से भारत की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की संभावना कम हुई और यहां तक कि श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ छह ओवर में मिली रिकॉर्ड-तोड़ जीत भी भारतीय टीम को शीर्ष पर नहीं पहुंचा सकी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वनडे रैंकिंग की स्थिति में होगा बदलाव

भारत मौजूदा समय में दूसरी रैंकिंग पर है और यदि 22 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर लेता है तो वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की स्थिति में आ सकता है। यदि भारत ऑस्ट्रेलिया से पहला वनडे जीत जाता है तो वह पाकिस्तान को पछाड़कर क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर एक टीम बन जाएगा। भारत टी-20 और टेस्ट रैंकिंग में पहले से ही शीर्ष पर हैं। भारत एशिया कप में शानदार जीत दर्ज चुकी है। मेजबान टीम अगले हफ्ते शुक्रवार तक वह मोहाली में पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को हराकर नंबर 1 स्थान पर पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी। ऑस्ट्रेलियाई कैप्टन पैट कमिंस की टीम के खिलाफ भारत की आगामी तीन मैचों की यह तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है कि कौन सी टीम नंबर एक रैंकिंग के साथ विश्व कप में प्रवेश करेगी। यदि भारत ऑस्ट्रेलिया से सीरीज हार जाता है, तो पाकिस्तान विश्व कप के लिए शीर्ष क्रम की टीम बनी रहेगी। इसके उलट ऑस्ट्रेलिया से 3-0 की हारता है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा और ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया अब विश्व कप की शुरुआत में नंबर एक रैंकिंग वाली टीम बनने की स्थिति में नहीं है। विश्व कप में नंबर एक टीम बनने के लिए उन्हें भारत के साथ सीरीज में उसका सुपड़साफ करना जरुरी होगा। हालाँकि, अगर ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले दो मैज जीत जीतता है तो भी उसे कम से कम अंतिम वनडे तक रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए उसे तीसरा मैच भी भारत को हराना जरुरी होगा।

ट्रेविस हेड वर्ल्डकप के पहले हाफ से बाहर

लाबुशेन को मिल सकती हैं टीम में जगह

जोहान्सबर्ग,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 2-3 से हार के बाद कहा कि इन फॉर्म बल्लेबाज ट्रेविस हेड चोटिल होने के कारण वनडे वर्ल्ड कप 2023 के पहले हाफ से बाहर हो गए हैं। ट्रेविस हेड की ऊंगली में चोट लग गई थी।

इस कारण यह फैसला लिया गया। हेड कंगारू टीम के बेहतरीन ओपनर बल्लेबाज हैं। वनडे वर्ल्ड कप के पहले हिस्से से उनके बाहर होने के बाद कंगारू टीम की चिंता जरूर बढ़ गई होगी। हेड साउथ अफ्रीका के खिलाफ जब हेड चोटिल हो गए थे उसके बाद पांचवें मैच में डेविड वॉर्नर के साथ पारी की शुरुआत मिचेल मार्श ने की थी। हालांकि टीम के पास कैमरन ग्रीन का विकल्प है जो ओपनिंग भी करते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से साफ है कि हेड जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं उसकी कमी पैट कमिंस को खलेगी। हेड को साउथ अफ्रीकी गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी की गेंद पर हाथ में चोट लगी थी और उसके बाद उन्हें उस मैच में रिटायर हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा था। हालांकि माना जा रहा है कि अब वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में हेड की मार्नस लाबुशेन की एंट्री हो सकती है जिन्होंने साउथ अफ्रीकउा के खिलाफ वनडे सीरीज मे जोरदार प्रदर्शन किया है। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की तरफ से उनके रिप्लेसमेंट के नाम का ऐलान नहीं किया गया है।

टीम इंडिया पर प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं

वर्ल्डकप से पहले कपिल देव ने कहा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय टीम को अपनी कप्तानी में सबसे पहले वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कपिल देव का मानना है कि भारतीय टीम अपनी धरती पर एक बार फिर वर्ल्ड कप जीत सकती है, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि टीम इंडिया पर प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं है। कपिल देव ने कहा कि वर्ल्ड कप जीतना बहुत कुछ तकदीर पर भी निर्भर करता है।

कपिल देव ने आगे कहा कि अगर भारतीय टीम टॉप-4 में पहुंच जाती है, तो इसके बाद किस्मत का रोल भी अहम हो जाएगा। अगर हम टॉप-4 में आ गए तो यह अहम होगा। इसके बाद से किस्मत की बात है। हम अभी नहीं कह सकते कि हम प्रबल दावेदार हैं। हमारी टीम अच्छी है। दिल कुछ कहता है और दिमाग कहता है कि अभी काफी मेहनत करनी होगी। मैं अपनी टीम को जानता हूं लेकिन दूसरी टीमों को नहीं जानता। ऐसे में जवाब देना गलत होगा। जहां तक भारत का सवाल है तो यह टीम जीत सकती है। उन्हें जुनून के साथ खेलना चाहिए। भारत ने श्रीलंका को एशिया कप फाइनल में दस विकेट से हराकर खिताब जीता। उन्होंने कहा, मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। मुझे खुशी है कि अब हर देश में हमारे तेज गेंदबाज दस विकेट ले रहे हैं। यह सोने पे सुहागा है। एक समय पर हम स्पिनरों पर निर्भर थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।

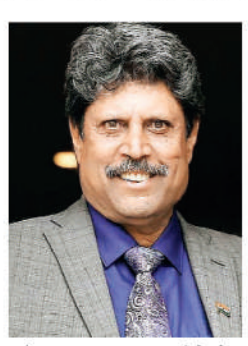

प्रशंसकों का जुनून विश्वकप जीतने के इरादे को मजबूत करता है : कोहली

भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने कहा कि देश में क्रिकेट के प्रति जुनून और समर्थन एक बार फिर विश्व कप ट्राफी घर लाने के भारतीय टीम के इरादे को मजबूती प्रदान करता है। क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट पांच अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच भारत में खेला जायेगा। कोहली ने कहा, हमारे प्रशंसकों का जुनून और अटूट समर्थन ही विश्व कप जीतने के हमारे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देता है। पिछले विश्व कप जीत की यादें, विशेष रूप से 2011 की जीत, हमारे दिलों में अंकित हैं, और हम अपने प्रशंसकों के लिए नई यादें बनाना चाहते हैं।

विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने में नाकाम रहे भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवान

बेलग्रेड,(एजेंसी)। भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों का विश्व चैंपियनशिप में प्रदर्शन लचर रहा जब कोई भी भारतीय पहलवान अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल नहीं कर पाया और ना ही पदक जीत पाया। भारतीय पहलवानों को ऐसे देशों के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जिन्हें कुश्ती में अच्छे प्रदर्शन के लिए नहीं जाना जाता जिससे बेलग्रेड पहुंचने वाले खिलाड़ियों की फिटनेस पर संदेह है। सचिन मोर (79 किग्रा) को नॉर्थ मैसेडोनिया के अहमद मागोमेदोव के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि अनुज कुमार (65 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर की बाधा भी पार नहीं कर पाए। अनुज को मैक्सिको के क्ली गोमेज के खिलाफ 7-8 से हार झेलनी पड़ी। भारतीय पहलवानों के मैक्सिको और नॉर्थ मैसेडोनिया के पहलवानों के खिलाफ हारने की संभावना नहीं थी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने खेल मंत्रालय को सुझाव दिया था कि चुने हुए पहलवानों को प्रतिभागिता के लिए भेजने से पहले उनकी चिकित्सा जांच की जाए। डब्ल्यूएफआई का कहना था कि संभवत- उनमें से कई चोटिल थे। डब्ल्यूएफआई महासचिव वीएन प्रसूद ने खेल सचिव को 11 सितंबर को पत्र में लिखा, चुने गए कुछ पहलवान चोटिल हैं विशेषकर 65 किग्रा फ्रीस्टाइल पहलवान। मैं सुझाव देता हू कि भारत से जाने से पहले चिकित्सा जांच कराई जाए जिससे कि समय पर खिलाड़ियों को बदला जा सके।

कृष मल्होत्रा ने कामले कोब्रास को फाइनल में पहुंचाया

भोपाल,(खेसं)। कृष मल्होत्रा ने अरुणाचल प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम कामले कोब्रास को फाइनल में पहुंचाया। कृष ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में 56 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 4 गगनभेदी छक्के जड़े। कृष इस मैच में मैन ऑफ द मैच रहे। प्रीमियर लीग का फाइनल बुधवार को खेला जाएगा। कृष की इस उपलब्धि पर उड़ान क्रिकेट एकेडमी और यूजलोकेटर टीम के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।

भोपाल के कमल चावला व अनुराग गिरी ने पूल चैम्पियनशिप में जीते तीन पदक

भोपाल,(खेसं)। राजधानी भोपाल के अंतरराष्ट्रीय क्यूईस्ट कमल चावला और अनुराग गिरी ने इंदौर के डेली कॉलेज में सम्पन्न 9 व 10 बॉल पूल नेशनल चैम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अर्जित किए। 9 बॉल पूल स्पर्धा में कमल ने रजत पदक तथा अनुराग गिरी ने कांस्य पदक जीता। वहीं 10 बॉल पूल नेशनल में अनुराग गिरी ने रजत पदक अपने नाम किया। कमल 7वें स्थान पर रहे। उल्लेखनीय है कि पहली बार भोपाल के दो खिलाड़ियों ने पूल नेशनल चैंपियनशिप में पदक जीते। कमल पूर्व में भी पूल नेशनल में फाइनल खेल चुके हैं, जबकि अनुराग ने पहली बार नेशनल चैम्पियनशिप में मेडल जीता है।

क्रीज के बाहरी हिस्से से आउटस्विंग कराने के लिए काफी अभ्यास किया : सिराज

कोलंबो। एशिया कप फाइनल में 21 रन पर छह विकेट चटकाने के बाद भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि नेट अभ्यास के दौरान हवा में गेंद को अंदर लाने और फिर पिच पर गिरने के बाद बाहर जाने की कला का उन्होंने घंटों अभ्यास किया जिसका उन्होंने फायदा मिला। सिराज ने अपने पारी के दूसरे ओवर में पाथुम निसांका, सदीरा समरविक्रम, चरिथ असलंका और धनंजय डिसिल्वा को आउट किया और फिर अंदर आकर बाहर की ओर मूव होती शानदार गेंद पर श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका को बोल्ड किया। सिराज ने भारतीय टीम के अपने साथी कुलदीप यादव के साथ बात करते हुए बीसीसीआई.टीवी से कहा, मैंने वेस्टइंडीज में क्रीज के बाहर की ओर से आउटस्विंग (विकेट से बाहर की तरफ मूव होती गेंद) गेंदबाजी करने का काफी अभ्यास किया। मेरी आउटस्विंग काफी अच्छी हो रही है। इसलिए मैंने क्रीज के बाहरी हिस्से से अंदर की ओर गेंद स्विंग कराने का प्रयास किया (जो पिच पर पड़ने के बाहर की ओर जाती)। उन्होंने कहा,मैंने जैसी योजना बनाई थी, जो मेरे दिमाग में था, बिलकुल वैसा ही हुआ और यह मेरा मैच का सर्वश्रेष्ठ विकेट था। एकदिवसीय विश्व कप की शुरूआत में अब एक महीने से भी कम का समय बचा है और सिराज ने कहहा कि एशिया कप फाइनल में की गेंदबाजी से उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पहले काफी आत्मविश्वास मिलेगा। सिराज की तूफानी गेंदबाजी के सामने श्रीलंका की टीम 15.2 ओवर में 50 रन पर ढेर हो गई। हार्दिक पंड्या ने तीन रन देकर तीन जबकि जसप्रीत बुमराह ने 23 रन देकर एक विकेट चटकाया। भारत ने इसके जवाब में 6.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल करके 10 विकेट से जीत दर्ज की। सिराज ने कहा, यह मेरे लिए शानदार उपलब्धि है विशेषकर इसलिए क्योंकि यह फाइनल था। इससे मुझे एकदिवसीय विश्व कप से पहले काफी आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह जादुई स्पैल था जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। श्रीलंका के खिलाफ त्रिवेंद्रम में पिछले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पांचवां विकेट हासिल करने के लिए मुझे काफी जूझना पड़ा था, यह विकेट कभी नहीं मिला। लेकिन आज (रविवार को) सारी चीजें पक्ष में रहीं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया तो बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव टूनामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। कुलदीप भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार पारियों में 11.44 के औसत और 3.61 की इकोनॉमी रेट से नौ विकेट चटकाए। पाकिस्तान के खिलाफ 25 रन पर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। कुलदीप ने कहा, मैं काफी नहीं सोचता, मैं सिर्फ विकेट को पढ़ता हूं। मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है कि मैं सही लेंथ पर गेंदबाजी करूं और अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करता रहूं। उन्होंने कहा, मैं बल्लेबाज को भी पढ़ता हूं कि वह कौन सा शॉट खेलने का प्रयास कर रहा है। मैं अपनी गुगली और फ्लिपर गेंद का अच्छा इस्तेमाल कर रहा हूं और इससे मुझेकाफी आत्मविश्वास मिल रहा है।

रिलायंस ट्रॉफी — कुलदीप सिंगोरिया और रामकृष्ण यदुवंशी को युगल खिताब

मोहन द्विवेदी बने इंटर प्रेस टेबल-टेनिस चैम्पियन

भोपाल,(खेसं)। मोहन द्विवेदी ने कुलदीप सिंगोरिया को 11-9, 10-12, 11-8 से हराकर 26वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस टेबल-टेनिस का खिताब जीता।

वहीं डबल्स में कुलदीप सिंगोरिया और रामकृष्ण यदुवंशी की जोड़ी चैम्पियन बनी। उन्होंने फाइनल में तरुण गुरू-प्रशांत यादव की जोड़ी को 11-9, 11-8 से हराया। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण व समापन यूजलोकेटर भोपाल के डायरेक्टर व सीनियर क्रिकेटर फैसल मीर ने किया। विजेताओं को ट्रॉफी और ट्रेकसूट से नवाजा गया। टीटी नगर स्टेडियम में खेली गई इस प्रतियोगिता में शहर के 60 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भागीदारी करेंगे। इसी कड़ी इंटर प्रेस शूटिंग प्रतियोगिता अगले माह आयोजित की जाएगी। शूटिंग के लिए खिलाड़ी अपनी एंट्री नवेद इशरत और इंद्रजीत मौर्य के पास जमा करा सकते हैं।

खेलो यूथ गेम्स की मशाल सागर पहुंची

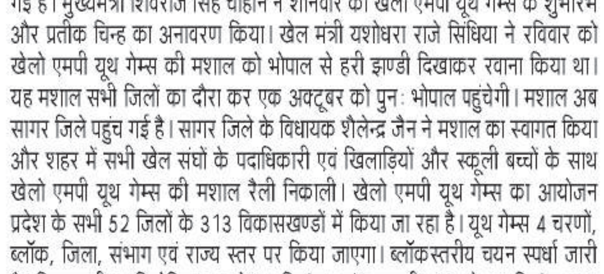

भोपाल,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश में खेलो एमपी यूथ गेम्स की शुरूआत ब्लॉक स्तर पर हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को खेलो एमपी यूथ गेम्स के शुभारंभ और प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने रविवार को खेलो एमपी यूथ गेम्स की मशाल को भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया था। यह मशाल सभी जिलों का दौरा कर एक अक्टूबर को पुन: भोपाल पहुंचेगी। मशाल अब सागर जिले पहुंच गई है। सागर जिले के विधायक शैलेन्द्र जैन ने मशाल का स्वागत किया और शहर में सभी खेल संघों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ियों और स्कूली बच्चों के साथ खेलो एमपी यूथ गेम्स की मशाल रैली निकाली। खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन प्रदेश के सभी 52 जिलों के 313 विकासखण्डों में किया जा रहा है। यूथ गेम्स 4 चरणों, ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। ब्लॉकस्तरीय चयन स्पर्धा जारी है। जिलास्तरीय प्रतियोगिता 21 से 25 सितंबर, संभागस्तरीय 26 से 30 सितंबर तथा राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 1 से 5 अक्टूबर तक किया जाएगा। राज्यस्तर पर प्रदेश के 8 संभाग भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन एवं शहडोल की टीमें सहभागिता करेंगी।

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्म-निर्भर हुईं मध्यप्रदेश की ग्रामीण महिलाएँ

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में बहनों के सशक्तिकरण के लिये सामाजिक क्रांति हो रही है। प्रशासन प्रदेश में बहन-बेटियों को सशक्त करने के कार्य निरंतर कर रहा हैं। प्रदेश में 4 लाख 78 हजार से अधिक स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 57 लाख से अधिक महिलाएं समूहों से जुड़ी हैं। अब तक 5.26 लाख स्व-सहायता समूहों को 6,358 करोड़ रुपए से अधिक का क्रेडिट लिंकेज किया गया है।

आजीविका मार्ट पोर्टल से समूहों द्वारा बनाए 700 करोड़ रुपए से अधिक के उत्पाद बिके हैं। अब इन समूहों द्वारा संचालित 7 पोषण आहार संयंत्रों का वार्षिक टर्नओवर 750 करोड़ रुपए हो गया है। समूह सदस्यों द्वारा 2.9 आजीविका एक्सप्रेस सवारी वाहनों का संचालन किया जा रहा है। लगभग 8300 महिलाओं को कम लागत कृषि एवं जैविक खेती पद्धति के लिये प्रशिक्षित किया गया है। इन्होंने मास्टर कृषि सी.आर.पी. के रूप में अपने गांव, जिला, प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों जैसे-हरियाणा, उत्तरप्रदेश व पंजाब में भी सेवायें देकर अपनी अलग पहचान बनाई। बैंकिंग सेवाओं को और आसान बनाने की दृष्टि से समूह सदस्यों को बैंक सखियों के रूप में चिन्हित कर तैनात किया गया है। फिलहाल 3,922 सखी काम कर रही है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना और अब लाड़ली बहना योजना ने समाज में बहनों की स्थिति को बहुत मजबूत कर दिया है। अब बेटियाँ बोझ नहीं वरदान बन गई हैं। प्रदेश में 21 वर्ष आयु की बहनों और ट्रेक्टर वाले परिवारों की बहनों के नाम जुड़ जाने के बाद अब लाड़ली बहनों की संख्या एक करोड़ 32 लाख हो गई है। जो बहनें छूट गई हैं, उनके नाम भी जोड़े जायेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने राखी पर बहनों को 250 रुपये भिजवाये हैं। लाड़ली बहना योजना की राशि अब 1250 रुपये कर दी गई है। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 3000 रुपये तक किया जायेगा। पहले बहनों को अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिये परेशान होना पड़ता था अब बहनों की परिवार में इज्जत बढ़ी है। सरकार का प्रयास है कि हर बहन की आमदनी 10 हजार रूपये महीना हो और इसके लिये आजीविका मिशन में उन्हें विभिन्न गतिविधियों के लिये सहायता दी जा रही है। अब बहनों को टोल बेरियर भी संचालन के लिये दिये जा रहे हैं। टोल टैक्स से प्राप्त राशि की 30 प्रतिशत राशि बहनों को आमदनी के रूप में मिलेगी।

महिलाओं को मिल रही है नई पहचान

पहले ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन परिवारों में महिलाओं को आय मूलक गतिविधियाँ करने के अवसर नहीं मिलते थे, उनका जीवन केवल चूल्हे-चौके और घर की चार दीवारी तक ही सीमित रह जाता था। घर के संचालन, आय-व्यय, क्रय-विक्रय आदि सहित अन्य मुद्दों पर निर्णय में पुरूषों का एकाधिकार था। मिशन के समूहों से जुड़कर महिलाओं को जो अवसर मिला, उससे उन्होंने अपनी काबिलियत सिद्ध कर अपनी अलग पहचान बनाई। गैर आय मूलक नगण्य घरेलू कामों के अलावा अब समूह सदस्य महिलाएँ अपने परिवार के साथ गाँव एवं सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय देती हैं। उनमें आई जागरूकता से न केवल घर में बल्कि गाँव और क्षेत्र में भी उनके सम्मान में बढ़ोतरी हुई है। समूहों, ग्राम संगठनों, संकुल स्तरीय संघों की नियमित बैठकों में भागीदारी से उनकी समझ और सक्रियता बढ़ गई है। समूहों में सिखाये गये 13 सूत्र ने उन्हें मूल-मंत्र दे दिया है, जिससे वे निरंतर आगे बढ़ती जा रही हैं। समूहों की बैठक में नियमित बचत लेन-देन, ऋण वापसी तथा दस्तावेजीकरण, बैंकों में आने-जाने से उनके अंदर वित्तीय साक्षरता, व्यवसायिक प्रबंधन की क्षमता भी विकसित हो गई है।

सामुदायिक विकास में महिलाओं ने की पहल

सामुदायिक विकास के क्षेत्र में भी महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पहले की तुलना में ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना , पात्रता अनुसार स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा आदि के व्यक्तिगत एवं सामुदायिक मुद्दों पर भी जबरदस्त सकारात्मक परिवर्तन देखा जा सकता है। घर-घर में पोषण वाटिका लगाकर महिलाओं द्वारा परिवार का तथा गाँव में कुपोषण दूर करने के प्रयास देखे जा रहे हैं ।

नगद रहित व्यवहार हुआ आम

समूह सदस्यों के अन्य व्यवहार परिवर्तनों में एक अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तन है नगद रहित व्यवहार। समूहों का समस्त लेन-देन चेक के माध्यम से ही होता है या फिर बैंक सखियों द्वारा ई- ट्रांजेक्शन भी कराया जाता है। इससे आर्थिक धोखाधड़ी की संभावनाएँ कम हो गई हैं।

राजनैतिक पदों पर समूह सदस्य के रूप में बनाई पहचान

समूहों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलने से जो नई पहचान मिली उसकी वजह से विभिन्न राजनैतिक पदों पर भी महिलाएँ निर्वाचित हुई हैं। वें पंच - सरपंच से लेकर जनपद, जिला पंचायत सदस्य जैसे पदों तक भी पहुँची हैं। इसके अलावा विभिन्न समितियों में भी महत्वपूर्ण पद मिले हैं। शर्मीले स्वभाव की ग्रामीण महिला आज अपनी यह पहचान बदलकर बड़ी- बड़ी सभाओं में मंच से लाखों की भीड़ के सामने निर्भीक होकर अपने विचार व्यक्त करती हैं।

अन्य प्रदेशों में जाकर प्रशिक्षण दे रहीं महिलाएं

मिशन द्वारा लगभग 6 हजार महिलाओं को कम लागत कृषि एवं जैविक खेती पर प्रशिक्षित किया गया है। इन्होंने मास्टर कृषि सी.आर.पी. के रूप में न केवल अपने घर, गाँव जिला और प्रदेश बल्कि अन्य राज्यों जैसे- हरियाणा, उत्तरप्रदेश और पंजाब में भी प्रशिक्षण देकर अपनी अलग पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना से जागा आत्मविश्वास

किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित, महिलाओं को पारिवारिक सहायता नहीं मिलती है तो जीवन यापन करने के सभी रास्ते बंद हो जाते है एवं ऐसी कठिन परिस्थितियों के लिए परिवार एवं समाज में पुर्नस्थापित होने हेतु विशेष सहयोग की आवश्यकता होती है । यदि किसी भी पीड़ित महिला की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ दिया जाए तो वह स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार का भी भरण पोषण कर सकती है। इस उद्देश्य से ''मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना'' मध्य प्रदेश में प्रारंभ की गई है।

उद्देश्य

- आपात स्थिति में महिलाओं की सहायता करना।
- पीड़ित महिला को पुनर्स्थापित करना।
- महिलाओं को स्व-रोजगार के लिये प्रेरित करना।
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना।
- महिला का सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिणिक स्तर बढाना।
- विपत्तिग्रस्त/पीड़ित/असहाय/निराश्रित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए समाज की मुख्य धारा में पुनर्स्थापित करना।

लक्ष्य समूह

- बलात्कार से पीड़ित महिला या बालिका ।
- दुर्व्यापार से बचाई गई महिलाएं जो गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करती हो।
- ऐसिड विक्टिम ।
- जेल से रिहा महिलाऐं।
- परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलायें जो गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करती हो।
- शासकीय एवं अशासकीय आश्रय गृह, बालिका गृह, अनुरक्षण गृह आदि गृहों में निवासरत विपत्तिग्रस्त बालिका/महिलायें।
- दहेज प्रताड़ित/अग्नि पीड़ित महिलायें।
- बाल विवाह पीड़ित।

प्रशिक्षण के विषय

- फार्मेसी -ब्यूटिशियन,होटल/ ईवेन्ट मैनेजमेंट ।
- नर्सिंग -शार्ट टर्म मैनेजमेंट कोर्स (कुकिंग/बैंकिंग),प्रयोगशाला सहायक ।
- फिजियोथेरपी -आई.टी.आई./पॉलीटेक्निक कोर्स,बी.एड/डी.एड

सिर्फ शासकीय संस्थान से

- आया/दाई/वार्ड परिचारिका हॉस्पिटालिटी,अन्य प्रशिक्षण जो कि शासन द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाते है।

आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो रहा है। प्रदेश में 2 लाख से अधिक महिलाएँ ऐसी हैं,जो न्यूनतम 10 हजार रुपये मासिक आय अर्जित कर रही हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़े कई ऐसे परिवार भी हैं, जिनकी मासिक आय 50 हजार रुपये तक हो गई है। लाखों की संख्या में महिलाओं ने पुराने जीर्ण-शीर्ण घरों की जगह अपने पक्के मकान, दुकान आदि बनवा लिये, कृषि भूमि खरीदी हैं तथा साहूकारों के कर्ज जाल से मुक्ति पाकर नये जीवन की शुरूआत की है। बदलाव की नजीर देखें तो अकेले अलीराजपुर जिले के उद्यगढ़ क्षेत्र में 19 गाँवों के 26 समूहों की 76 महिला सदस्यों ने वर्ष 2019 में 26 लाख से अधिक रूपये से गिरवी रखी 176 एकड़ जमीन साहूकारों के कर्जे से मुक्त कराई। समूह सदस्यों की आय में वृद्धि होने से आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर होने पर उन्होंने स्वयं की अधूरी पढ़ाई फिर से शुरू कर व्यावसायिक कोर्स जैसे बी.एस.डब्ल्यू. एम.एस.डब्ल्यू. भी किया है। साथ ही बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ा रही हैं और दो पहिया, चार पहिया वाहन, कृषि यंत्र आदि भी खरीदे हैं। अब महिलाएँ स्वयं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण करने के साथ अपने क्षेत्र में बाल विवाह रोकना , घरेलू हिंसा के विरूद्ध आवाज उठाना, नशा मुक्त कराना, सामुदायिक विकास के कार्यों की निगरानी, गाँव के बेरोजगार युवक-युवतियों को रूचि अनुसार रोजगार, स्व-रोजगार प्रशिक्षण दिलाने जैसे काम विभिन्न उप-समितियों के माध्यम से कर रही हैं। महिलाओं ने स्व-सहायता समूहों में मिले अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए अपनी क्षमता के अनुसार काम करके प्रतिभा प्रदर्शन से मिली अलग पहचान की बदौलत ही ग्रामीण क्षेत्र में परिवारिक एवं सामुदायिक सत्ता पर अपना वर्चस्व कायम किया है। कुल मिलाकर ग्रामीण क्षेत्र में घूंघट की ओट में चूल्हे-चौके तक सीमित रहकर गुमनाम जिंदगी जीने वाली महिलाएँ आज अपने परिवार, गाँव और जिले की पहचान तथा शान बन गई हैं।

वित्तीय सहयोग

समूहों को मिशन द्वारा चक्रीय निधि , सामुदायिक निवेश निधि, आपदा कोष तथा बैंक लिंकेज के रूप में वित्तीय सहयोग किया जा रहा है। इस राशि से उनकी छोटी-बड़ी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाती है, जिससे वे साहूकारों के कर्ज जाल से बच जाते हैं। प्रदेश में समूहों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों के संचालन के लिये बैंक ऋण वितरण के लक्ष्य को विगत दो वर्षों में कई गुना बढ़ाते हुए इस वर्ष में 2550 करोड़ रुपये किया गया है। समूहों को सस्ती ब्याज दरों पर पूँजी उपलब्ध कराने के साथ अलग से ब्याज अनुदान भी दिया जा रहा है।

व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में अवसर

राज्य सरकार ने महिला स्व -सहायता समूहों के कार्यों का दायरा बढ़ाते हुए पोषण आहार संयत्रों के संचालन का बहुत बड़ा काम भी समूहों को देकर वृहद कारोबारों को संचालित करने का अनुभव समूहों की महिलाओं को दिया है। नित नये क्षेत्रों जैसे दीदी कैफे संचालन, उचित मूल्यम की शासकीय दुकानों का संचालन, स्कूल गणवेश सिलाई, फसल क्रय के लिये उपार्जन केन्द्रों का संचालन, गौशाला संचालन, चारागाह विकास, अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट संचालन, ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजनाओं का संचालन, विद्युत बिल वितरण कार्य, सड़कों का संधारण, लघु वनोपज संग्रहण, शासकीय निर्माण कार्यों में लगने वाली ईट आदि सामग्री के निर्माण एवं सप्लाई में प्राथमिकता देते हुये स्व-सहायता समूहों को हर स्तर पर सहयोग किया जा रहा है। समूहों की सदस्य महिलाओं द्वारा रूचि अनुसार परंपरागत आय के साधन कृषि-पशुपालन के साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिये सिलाई, दुकान, साबुन, अगरबत्ती निर्माण आदि सहित 103 प्रकार की लघु उद्यम गतिविधियाँ की जा रही हैं।

उत्पादों के क्रय-विक्रय में सहयोग

समूहों के उत्पादों को बेचने के लिये आजीविका रूरल मार्ट जिला स्तार पर नाबार्ड के सहयोग से स्थापपित किये गये हैं। आजीविका मार्ट पोर्टल के माध्यतम से भी उत्पादों के क्रय - विक्रय में सहयोग किया जा रहा है। समूहों के उपयोग के लिये ब्लॉक स्तर पर आजीविका भवन निर्माण किया गया है। समूहों की बैठकों तथा आजीविका गतिविधि केन्द्रों और प्रशिक्षण केन्द्र बनाने के लिये बड़ी संख्या में शासकीय भवन समूहों को आवंटित किये गये हैं।

निरंतर प्रशिक्षण

मिशन द्वारा दिये जा रहे लगातार प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता, वित्तीय सहयोग एवं मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि समूह सदस्यों के अन्दर गरीबी से उबरने की दृढ़ इच्छा-शक्ति उत्पन्न हुई। आज प्रदेश में समूहों से जुड़े 13 लाख 37 हजार से अधिक परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों से जुड़े हैं और 5 लाख 5 हजार से अधिक परिवार गैर कृषि आधारित लघु उद्यम आजीविका गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं।

महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित देश का पहला टोल प्लाजा मध्यप्रदेश में

आगर मालवा का चाचाखेड़ी, उज्जैन का कायथा और छतरपुर का संजयनगर टोल प्लाजा महिला शक्ति के हवाले

भोपाल। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित देश के पहले टोल प्लाजा मध्यप्रदेश के आगर मालवा, उज्जैन और छतरपुर जिलों में महिलाशक्ति के हवाले कर शिवराज सरकार ने अद्भुत मिसाल पेश की है। शाजापुर-दोपड़ा नलखेड़ा मार्ग पर चाचाखेड़ी गांव में स्थित टोल प्लाजा का संपूर्ण प्रबंधन और संचालन ज्योति महिला स्व-सहायता समूह करेगा। श्रीमती राजू बाई इसकी अध्यक्ष हैं। वराहमिहिर आजीविका संकुल स्तरीय संगठन कायथा, उज्जैन, कायथा टोल प्लाजा का प्रबंधन करेगा। श्रीमती कौशर परवीन इसकी अध्यक्ष हैं। प्रगति सामुदायिक महिला आजीविका संगठन छतरपुर में संजयनगर टोल का प्रबंधन सम्भालेगा। यह ऐतिहासिक पहल मप्र कैबिनेट के निर्णय के कारण संभव हो सकी है जिसके अनुसार 2 करोड़ रुपए तक कलेक्शन वाले टोल प्लाजा का प्रबंधन महिला स्व सहायता समूहों को दिया जाएगा ताकि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सके।

टोल कलेक्शन का 30 प्रतिशत महिलाओं के समूह को मिलेगा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में 2 सितंबर 2023 को मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम ने महिलाओं के स्व-सहायता समूहों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए इस अनूठी पहल का मार्गदर्शन किया। टोल प्लाजा चलाना हिम्मत और दबंगई का काम समझा जाता है। प्रदेश में महिलाओं के स्व-सहायता समूह टोल प्लाजा संचालन की जिम्मेदारी ले रहे हैं यह महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है।

मुख्यमंत्री शिवराज के मुताबिक बहनें अपने संकल्प में सफल होंगी और दक्षतापूर्वक टोल प्लाजा का संचालन करेंगी। अब दुनिया देखेगी कि मध्यप्रदेश की महिलाएं, पुरुषों के वर्चस्व वाले इस कार्य में भी नई उपलब्धियां अर्जित करेंगी। महिलाएं अपने उत्साह, आत्मविश्वास व सकारात्मकता से काम कर दुनिया को दिखाएंगी कि वे किसी भी गतिविधि में पीछे नहीं हैं। यह महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कार्यों के दायरे को बढ़ाने की पहल है। टोल-प्लाजा संचालन से महिलाएं जितनी राशि संग्रहित करेंगी, उसका 30 प्रतिशत बहनों को मिलेगा। जिसके चलते स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हर बहन लखपति होगी।

उज्जैन-मक्सी मार्ग जिला उज्जैन के कायथा टोल-प्लाजा के लिए वराहमिहिर आजीविका संकुल स्तरीय संगठन की श्रीमती कौशर परवीन व श्रीमती निर्मिला परमार, शाजापुर दोपाड़ा नलखेड़ा मार्ग जिला आगर के चाचाखेड़ी टोल प्लाजा के ज्योति महिला सामुदायिक संकुल संगठन की श्रीमती राजूबाई व श्रीमती साधना शर्मा और मलहेरा चांदला मार्ग जिला छतरपुर के संजय नगर टोल प्लाजा के लिए प्रगति सामुदायिक महिला आजीविका संगठन की श्रीमती चमेली राजपूत व श्रीमती विद्या अहिरवार के साथ एमओयू का निष्पादन किया। समूह की महिलाओं के साथ मध्यप्रदेश रोड डेवल्पमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया ने एमओयू आदान-प्रदान किया।

एम.ओ.यू. की विशेषता

समझौते के अनुसार, टोल प्लाजा का प्रबंधन करने वाले महिला समूह को टोल कलेक्शन का 30% मिलेगा बाकी का हिस्सा एमपीआरडीसी को मिलेगा। कैबिनेट निर्णय के तुरंत बाद, समूह के सदस्यों को मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रशिक्षण दिलाया गया है। टोल प्लाजा प्रबंधक राजेश पाण्डेय ने उन्हें टोल प्लाजा प्रबंधन के तकनीकी पहलू के बारे में प्रशिक्षित किया। एमपीआरडीसी इंटरनेट, कनोपी, इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायेगा। एमपीआरडीसी के विभागीय प्रबंधक समूह की महिला सदस्यों का मार्गदर्शन करेंगे और उन्हें समय-समय पर सहयोग करेंगे। महिला समूह केवल अपने सदस्यों के माध्यम से टोल कलेक्शन करेगा। इस कार्य को किसी अन्य एजेंसी को नहीं सौंप सकेगा। यदि टोल कलेक्शन 2 करोड़ रुपए से अधिक होता है तो यह कार्य एमपीआरडीसी करेगा। सभी महिला सदस्यों का जीवन बीमा किया जायेगा। टोल कलेक्शन राशि को हर दिन संयुक्त बैंक खाते में जमा किया जाएगा। टोल कलेक्शन राशि को पहले इंटरनेट, बिजली, पानी जैसी टोल प्लाजा की अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं में खर्च किया जाएगा। प्रारंभ में सफाई, रिकॉर्ड रखने, बैक संबंधी कार्य समूह द्वारा किए जाएंगे।

वाराणसी टेंट व्यवसायिक एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया 33वां स्थापना दिवस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी टेंट व्यवसायिक एसोसिएशन द्वारा 19 सितम्बर मंगलवार कों पंचकोशी रोड पर चन्द्रा चौराहा स्थित तनिष्क बैंक्विट हॉल में धूमधाम से मनाया गया 33वां स्थापना दिवस समारोह ` इस अवसर पर संस्था के इतिहास की फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्तर प्रदेश टेंट व्यापारिक संगठन के महामंत्री अभिलेश वर्मा द्वारा किया गया` प्रदर्शनी के माध्यम से संस्था के संघर्षों का इतिहास,सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कोरोना काल के व्यापारिक संघर्ष को दिखाया गया` मंच कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संस्थापक सदस्य महेंद्र जायसवाल, प्रकाश श्रीवास्तव, श्री नारायण मिश्र, गोपी जी श्रीवास्तव, डॉक्टर रतन लाल गुप्ता, बिहारी लाल केसरी ने दीप प्रज्वलित कर एवं गणेश वंदना द्वारा किया गया अतिथियों का स्वागत एवं स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने किया इस अवसर पर बोलते हुए संगठन के महामंत्री मनोज रावत (अच्छू) ने संस्था के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिना आधुनिक संसाधनों के संस्थापक सदस्यों ने संगठन को कठिन परिस्थितियों में स्थापित किया ` आज तकनीक और आधुनिकीकरण से यह कार्य आसान हो चुका है बस संगठन के मूल मंत्र को आत्मसात करने की आवश्यकता है अन्य वक्ताओं में संरक्षक महेंद्र जायसवाल, अशोक जायसवाल, डॉ माधुर जायसवाल, प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज केसरी आदि ने अपने विचार रखे कार्यक्रम में संस्थापक सदस्यों को रजत पत्र एवं 25 वर्षों से अधिक समय से जुड़े सदस्यों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित भी किया गया` कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश गुप्ता, संतोष गुप्ता, विवेक अग्रहरी, विनय पांडेय के अलावा मुख्य लोगों में विनय

शर्मा, रामदुलार गौतम, धर्मराज पटेल, पंकज गुप्ता, रविंद्र कुमार, मोहन गुप्ता, मदन अग्रहरि, जामवंत सिंह,अमित सेठ, हिमांशु श्रीवास्तव, महेंद्र सिंह, मुनव्वर अली, ओम प्रकाश पटेल, राजीव कुमार, समीर केसरी, शिवराज पटेल, उमेश चंद्र, सचिन पटेल, प्रदीप श्रीवास्तव आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। मंच का संचालन रोहित पाठक एवं राजेश श्रीवास्तव ने किया धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष अनिल मौर्य ने किया`

सम्मानित सदस्यों की सूची – राजेंद्र प्रसाद गुप्ता,प्रदीप प्रजापति, गोपाल दास केशरी, राजेंद्र प्रसाद राजू ,विनोद कुमार यादव,जितेंद्र कुमार, राहुल केसरी, सरोज अग्रवाल,कृपा शंकर केसरी,राजेंद्र प्रसाद केसरी, मंगल यादव,शिव शंकर मिश्रा, मुन्नू लाल केसरी,इसरार अहमद, आलोक अरोड़ा, लाल खां (अच्छे भाई), राजकुमार केसरी, फैयाजुद्दीन साहब, प्रकाश कुमार श्रीवास्तव ,डॉ रतनलाल गुप्ता , सत्येंद्र सिंह पटेल, प्रवीण मुखर्जी, ओम प्रकाश गुप्ता ,अरशद हुसैन , डॉक्टर मधुर कुमार जायसवाल , मनोज केसरी, अविनाश कुमार पटेल, केशव गुप्ता, सुरेन्द्र चंद्र केशरी, राजन कुमार, सुनील कुमार सिंह, मानस चौरसिया, प्रथम मौर्य, दौलत अली, बिहारी राजपाल , मोहम्मद असलम, भीम सिंह, आकाश माथुर, अभिलेश वर्मा, सत्य प्रकाश गुप्ता, अशोक कुमार जायसवाल , गौरव कुमार श्रीवास्तव ,अजय कुमार पटेल, अखिलेश कुमार, शैलेंद्र सिंह, किशलय राय चौधरी, विश्वरंजन भट्टाचार्य, निरंजन कुमार सिंह, संजीव लाल मौर्या, सरोज कुमार जायसवाल,अमित सिंह नेगी, नवल किशोर कथूरिया, गिरधर गोपाल, अंशुल गुप्ता, हाजी अफजल।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदु महसभा ने मनाया पूर्व कुलपति का जन्मदिन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रकृति नवजीवन ट्रस्ट एवं स्वामी विवेकानंद प्रवास स्थल संघर्ष समिति द्वारा आर एस एस के प्रचारक एवं कई विश्वविद्यालय में रह चुके कुलपति डा. दुर्ग सिंह चौहान का मनाया जन्मदिन ` जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर 'नर सेवा नारायण सेवा ' कार्यक्रम के अंतर्गत श्री गंगा कुष्ठ आश्रम पुनर्वास केंद्र भदऊ चुंगी राजघाट वाराणसी पर कुष्ठ रोगियों के बीच फल वितरण का कार्यक्रम किया गया उसके उपरांत प्रकृति नवजीवन ट्रस्ट की टीम कबीर चौरा मंडलीय चिकित्सालय गई जहां निराश्रित एवं लावारिस मरीजों के बीच फल वितरण किया तथा उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की` जहां अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के

महासचिव संपूणार्नंद पांडे ने प्रोफेसर साहब के बारे में बताया की आप उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय , उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति एवम ए आई यू के अध्यक्ष और बहुत सारे और विश्वविद्यालय के कुलपति के रहे` आप आज भी समाज सेवा करते है और लोगो की मदद के लिए डा चौहान आज भी सबसे आगे खड़े रहते है।पाण्डेय जी ने लावारिस मरीज की बढ़ती हुई संख्या पर चिंता व्यक्त की वही ट्रस्ट के महासचिव अधिवक्ता विजय सिंह ने कुष्ठ रोगियों एवं लावारिस मरीजों की सेवा में लगे स्वास्थ्य कार्यकताओं का हाल-चाल लिया एवं उन्हें सरकार कर द्वारा प्रदत्त हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया ` कार्यक्रम का संचालन विनोद पांडेय 'भैया जी' एवं बनारस बार के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता राजेश मिश्रा द्वारा किया गया` गरिमामय उपस्थिति विंध्याचल चौबे , राजेश सिंह 'बब्बू' जी, विजय जी एवं अन्य सामाजिक कार्यकताओं की रही।

द इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेन्टस ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। द इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेन्टस ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा सनबीम कॉलेज ऑफ वूमेन भगवानपुर वाराणसी में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम प्रोग्राम आयोजित किया गया` कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए. अनिल कुमार अग्रवाल ने स्वागत भाषण द्वारा किया कार्यक्रम के काउंसलर्स की भूमिका में वाराणसी शाखा की पूर्व अध्यक्षा सीए.सुदेशना बसु ने बताया कि आज कल की इस बढ़ती महँगाई में हम अपनी जरूरत की चीजों को पूरा करने के लिए निवेश करना भूल जाते हैं इस लिए हमें जरूरत के साथ- साथ किस तरह से और कहां-कहां

निवेश करना चाहिए ये कभी नहीं भूलना चाहिए क्योंकि यही छोटी-छोटी निवेश आपको आने वाले समय में लाभ पहुंचाती है` आप जागरूक होंगे तू और भी लोगो को आप जागरूक करेंगे उन्होंने और भी विभिन्न प्रकार की जानकारी दी ओर काहा युवाओ के साथ साथ अभिभावकों में भी जागरूकता लाने की जरूरत है उक्त कार्यक्रम में 400 से अधिक छात्र झ छात्राओं की उपस्थिति रही कार्यक्रम में शाखा शाखा अध्यक्ष सीए.अनिल कुमार अग्रवाल और सनबीम कॉलेज के प्रधानाचार्य, डॉ. विभा श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्य, डॉ. सौरभ सैन, मुख्य परिचालन अधिकारी संदीप मुखर्जी, शिक्षक आदि भी उपस्थित रहे।

जौनपुर की शान और पहचान बनेगी राणा प्रताप की मूर्ति

प्रखर जौनपुर। राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थित पार्क में बीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की स्थापित होने वाली वाली गन मेटल की भव्य मूर्ति के लिए मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन किया गया। लोगो ने उनके जीवन गाथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके त्याग, बलिदान और राष्ट्र प्रेम को युवाओ को अपने जीवन में उतारना चाहिए। समिति के सदस्यों ने बताया कि पार्क में स्थापित होने वाली गन मेटल की भव्य मूर्ति की कुल ऊचाई जमीन से 19 फिट होगी। छह फिट के चबूतरा पर तेरह फिट की ऊँची मूर्ति स्थापित की जाएगी। गन मेटल की मूर्ति की लागत लगभग चालीस लाख रुपया बताया जा रहा है। राजस्थान के जयपुर धूप संगमरमर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के प्रसिद्ध कलाकारो द्वारा बनाई जा रही महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति का चबूतरा मकराना के प्रसिद्ध मारवल पत्थर व दक्षिण भारत का काला ग्रेनाइट का रहेगा। दिन में दस बजे से ही सिविल इंजिनियर जनार्दन श्रीवास्तव की टीम ने स्थान का चयन किया। एक घंटे बाद समिति के सदस्यों द्वारा चयनित स्थान पर विधि विधान से पूजन अर्चन कराया गया। विद्वान ब्राह्मण ओम प्रकाश शुक्ल ने मंत्रोच्चारण किया। ओम प्रकाश सिंह ने फावड़ा से मिट्टी की खुदाई कर भूमि पूजन की शुरूआत किया। इस अवसर पर साधन सहकारी बैंक के चेयरमैन पूर्व मंत्री कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, डा. दिनेश सिंह बब्बू, डा. एन. के. सिंह, अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह, जौनपुर पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम, रत्नाकर सिंह, पूर्व प्रमुख ओम प्रकाश सिंह, अजीत सिंह, रवीन्द्र प्रताप सिंह, शशि सिंह, डा. नबाब सिंह, सिद्धार्थ सिंह, अमर बहादुर सिंह बच्चा, प्रदीप सिंह सफायर, सर्वेश सिंह, डा. राकेश सिंह ल, डा. इंद्र सिंह, डा. संजय सिंह, डा. विकास सिंह, मुन्ना सिंह, संजय सिंह विसेन, वेद प्रकाश सिंह, राघवेन्द्र सिंह, रजनीश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, सौरभ सिंह, घनश्याम सिंह, विनोद सिंह, चेतन सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

अगर आपको अपने सपने पर यकीन हो आपकी पृष्ठभूमि आपके सपने को पूरा करने में कोई बाधा नहीं बन सकती है : अभिषेक आर्या

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मलदहिया स्थित होटल हिन्दुस्तान इंटरनेशल में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया पत्रकार वार्ता में बताया गया की ग्राम- गिद्धा, जिला-पूर्णिया (बिहार) के रहने वाले अभिषेक आर्या ने आज यह साबित कर दिखाया है कि अगर आपको अपने सपने पर यकीन हो, अगर उसे प्राप्त करने की जिद हो तो आपकी पृष्ठभूमि आपके सपने को पूरा करने में कोई बाधा नहीं बन सकती है आज उनके सफलतापूर्ण संघर्ष की कहानी साफ-साफ बयां कर रही है कि एक छोटे से क्षेत्र से उठकर टीवी की दुनिया तक का सफर वाकई लाजवाब रहा है उन्होंने बचपन से ही संगीत को सब कुछ माना ` अभिषेक आर्या का सफर माँ द्वारा दी गई संगीत की शिक्षा से शुरू हुआ था और उनके पिता जो किसान हैं अपने मेहनत के पसीने से अपने पुत्र के सपने को साकार

किया है बॉलीवुड के गानों से लेकर इंटरनेट और फिल्मों की दुनिया में एक गायक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई और साथ- ही-साथ उनके परिवारों का भी योगदान अमूल्य रहा है` एक छोटे मंच से लेकर टी सीरीज के मंच तक के सफर में उनके दोस्तों का भी काफी योगदान रहा है सचमुच आज अभिषेक आर्या ने संपूर्ण बिहार का नाम रौशन कर दिखाया है` परिवार गाँव दोस्तों में खुशियों की लहर छाई हुई है उन्होंने यह साबित कर दिखाया है कि कमल भले ही कीचड़ में खिलते हो मगर वह अपने काबिलियत की दम पर ऊपर उठ ही जाते हैं अतः अभिषेक आर्या के इन कार्यों को देखते हुए यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि....,एक बिहारी, सब पर भारी..` पत्रकार वार्ता में गायक विनय पाण्डेय, गायक अभिषेक आर्या सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जौनपुर में सम्पन्न

नेशनल एग्रो फाउंडेशन और नाबार्ड के द्वारा किया गया आयोजित

प्रखर जौनपुर। नेशनल एग्रो फाउंडेशन और नाबार्ड के द्वारा संचलित केराकत और डोभी ब्लॉक के किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जौनपुर के होटल सिद्धार्थ उपवन में सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया। एफपीओ हमारे देश के प्रधानमंत्री की सर्वोत्तम योजना में से एक है। प्रशिक्षण देने आए हुए वक्ताओं ने अपने-अपने विचारों को प्रकट किया तथा साथ ही साथ एफपीओ के माध्यम से कैसे देश के किसान और कृषि को उचित लाभ हो सकता है, इसके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। और कृषि संबंधित योजनाओं के बारे में तथा उससे होने वाले लाभ के बारे में भी

बताया गया। साथ ही साथ एफपीओ में जुड़ने के लिए किसान भाईयों को प्रोत्साहित दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डीडीएम नाबार्ड जौनपुर, आरएम बड़ौदा यूपी बैंक, डीडी एजी जौनपुर, डीएचओ उद्यान विभाग, जौनपुर मंडी, विकास भवन, सीए श्री प्रियम मिश्रा और नेशनल एग्रो फाउंडेशन से शेखर मणि तिवारी, नितेश यादव उपस्थित रहे।

3 मोबाइल व 4 बाइबिल किताब संग 4 अभियुक्त चढ़े गहमर पुलिस के हत्थे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी जमानियाँ के निकट पर्यवेक्षण में आज मंगलवार को चौकी प्रभारी देवल थाना गहमर गाजीपुर मय हमराह के तलाश अभियुक्तगण मु0अ0सं0 199/23 धारा 295अ भादवि व 3/5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति /वाहन मे सायर घाट थाना गहमर जनपद गाजीपुर से अभियुक्तगण राजेन्द्र पुत्र स्व0 जगदीश राम, रिंकू उर्फ रौशन पुत्र राजेन्द्र राम, रवि कुमार पुत्र राजेन्द्र राम, राहुल कुमार पुत्र राजेन्द्र राम निवासी गण सोनपा थाना राजपुर जिला बक्सर बिहार के कब्जे से 03 अदद मोबाइल फोन व 04 अदद बाइबिल किताब व एक अदद पोस्टर बरामद किया गया । जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 199/2023 धारा 295अ भादवि व 3/5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उप निरीक्षक पवन कुमार चौकी प्रभारी देवल थाना गहमर, हेड कांस्टेबल भूपेन्द्र प्रकाश पटेल थाना गहमर, कांस्टेबल विनोद गौड थाना गहमर, कांस्टेबलअभिषेक शुक्ला थाना गहमर, कांस्टेबल प्रमोद कुमार थाना गहमर, कांस्टेबर आलोक पटेल थाना गहमर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

पांडेयपुर में बैठाई गई गणेश मूर्ति, पांच दिनों तक चलेगी पूजा

प्रखर वाराणसी। पांडेयपुर स्थित दूध सट्टी के पास प्राचीन इच्छापूर्ति शिव मंगल करण हनुमान मंदिर में 5 दिनी गणेश पूजा शुरू हुई। जिसके लिए भगवान गणेश की बड़ी सी प्रतिमा बिठाई गई। और मंगलवार सुबह से ही पुजारी बृजेश उपाध्याय की देखरेख में पांच दिनी पूजा शुरू की गई। इस अवसर पर चौराहे पर भक्तों की भारी भीड़ रही। आरती और मंगल गीतों के साथ 19 से 23 सितंबर तक गणेश पूजनोत्सव का कार्यक्रम जारी रहेगा। इस अवसर पर डंपी तिवारी बाबा, पंडित दुर्गेशचंद्र मिश्रा, शिवानंद उपाध्याय, सत्यम पांडेय प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विधायक ने 478 लाभार्थियों को सौंपे स्वीकृत पत्र

प्रखर शाहगंज। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत दिव्यांगजन, मुसहर, प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवार को स्वीकृत पत्र वितरण कार्यक्रम मंगलवार को खुटहन ब्लाक सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रमेश सिंह ने लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र सौंपा।अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में कुछ खास लोगों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पाता था। अन्य सरकारों की तुलना में केंद्र और प्रदेश की मोदी- योगी की सरकार हर पात्र व्यक्ति को पक्के मकान का छत मुहैया करा रही है जबकि पहले की सरकारों में गरीबों के छप्पर से पानी टपकता था।श्री सिंह ने 478 लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र प्रदान किया।उन्होंने छूटे हुए पात्र लोगों के पंजीकरण कराने के लिए बी. डी.ओ. को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक ने पात्र और जरूरतमंद व्यक्तियों के नाम शामिल करने के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से वार्ता की इसके संबंध में पूर्ण आश्वासन मिला।पूर्व सरकारों की अपेक्षा सरकार गरीबों की सच्ची हितैषी है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह में आवास की सूची पुनः बनने जा रही है।गांव स्तर पर चौपाल लगाकर समस्याओं का समाधान जमीनी स्तर पर किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि खुटहन के ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमार यादव ने कहा कि सरकार देश के गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम कर रही है।उन्होंने बताया कि विकासखंड क्षेत्र का चौमुखी विकास के लिए वह दृढ़ संकल्पित हैं। खंड विकास अधिकारी गौरवेंद्र सिंह ने बताया कि पात्रों और जरूरतमंद व्यक्तियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत- प्रतिशत लाभ पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। मौके पर ब्लॉक के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रो0 सत्यमित्र दूबे के निधन पर समाजवादियों ने की शोकसभा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर एक शोकसभा आयोजित हुई। इस शोकसभा मे प्रसिद्ध समाजशास्त्री, समाजवादी चिंतक और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.सत्यमित्र दूबे के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उनके निधन पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि दूबे जी गाजीपुर के माटी के लाल थे । उनकी विद्वता और वाकपटुता के सभी लोग कायल रहे। वह इन्दिरा गाँधी ओपेन विश्वविद्यालय नई दिल्ली, एनसीईआरटी , डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय असम के प्राध्यापक रहे, और देश- विदेश में कई विश्वविद्यालयों में विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्य किये। उनके निधन से पूरा का पूरा समाजवादी परिवार बहुत दुखी और मर्माहत है। उनका निधन हम सबके सबके लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ है उसकी भरपाई निकट भविष्य में मुश्किल है। वह प्रख्यात समाजवादी नेता दलश्रृंगार दूबे के पुत्र थे ।समाजवादी विचारधारा उनको विरासत में मिली थी। समाजवाद उनके खुन में था। उन्हे डा. राम मनोहर लोहिया के साथ काम करने का मौका मिला था। वह जीवन पर्यन्त समाजवादी विचारधारा के साथ जीते रहे ।समाजवादी पार्टी के संस्थापक माननीय नेता जी, अखिलेश जी और पूरे समाजवादी खेमे के साथ उनके घनिष्ठ सम्बन्ध रहे। उन्हे पुर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में यश भारती पुरस्कार से सम्मानित किया था। शोकसभा मे मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति के आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव, सदानंद यादव, अशोक कुमार बिंद, निजामुद्दीन खां, रामाशीष यादव, राधेश्याम यादव, छन्नू यादव, पारस यादव आदि मौजूद रहे। इस शोकसभा का संचालन जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं